दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

वर्ष 25 अंक 130 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये सोमवार 11 अगस्त 2025 डाक- मंगलवार 12 अगस्त 2025 chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

प्रथमेश

तुर्किये में 6.1 तीव्रता का भूकंप, कई इमारतें ढहीं

तुर्किये ,11 अगस्त (एजेंसी)। तुर्किये के उत्तर-पश्चिमी प्रांत बालिकेसिर में रविवार को 6.1 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे करीब एक दर्जन इमारतें ढह गईं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इन इमारतों के ढहने से इनके मलबे में कम से कम दो लोग फंस गए हैं। भूकंप का केंद्र सिंदिरगी था और इसके झटके लगभग 200 किलोमीटर दूर इस्तांबुल शहर तक महसूस किये गये, जहां की आबादी 1.6 करोड़ से अधिक है। सिंदिरगी के महापौर सेरकन साक ने तुर्किये के सामचार पत्र 'हैबरटर्क' को बताया कि कस्बे में भूकंप के कारण कई इमारतें ढह गई हैं और यहां से चार लोगों को बचा लिया गया है जबकि बचावकर्मी दो अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पास के गोलकुक गांव में भी कई घर ढह गए। गांव में एक मस्जिद की मीनार भी गिर गई। तुर्किये की आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने कहा कि भूकंप के बाद कई कम तीव्रता के झटके महसूस किये गये, जिनमें से एक की तीव्रता 4.6 थी। एजेंसी ने नागरिकों से क्षतिग्रस्त इमारतों में प्रवेश न करने का आग्रह किया। तुर्किये भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र है और यहां अक्सर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। तुर्किये में वर्ष 2023 में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें 53,000 से अधिक लोग मारे गए थे।

वाह वाह

एक बार क्लास में मैडम ने बच्चों से एक सवाल पूछा...

मैडम- तुम सब में से सबसे बहादुर कौन है बच्चों...?

मैडम का सवाल सुन के सारे बच्चों ने हाथ उठा दिए...

यह देख मैडम ने एक और सवाल पूछा...

मैडम- अच्छा बताओ, अगर तुम्हारे स्कूल के सामने कोई बम रख दे, तो तुम क्या करोगे...?

मैडम का सवाल सुन पप्पू ने हाथ उठाया और बोला

पप्पू- मैडम जी एक, दो मिनट देखेंगे अगर कोई ले जाता है तो ठीक है, नहीं तो स्टाफरूम में रख देंगे!

एसआईआर और वोट चोरी के खिलाफ राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी मार्च, संसद से ईसी दफ्तर तक हल्लाबोल

नई दिल्ली,11 अगस्त (एजेंसी)। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों के विपक्षी दलों के सांसदों ने सोमवार को संसद भवन स्थित मकर द्वार से दिल्ली के निर्वाचन सदन स्थित चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च निकाला। यह मार्च सुबह 11:30 बजे शुरू हुआ और ट्रांसपोर्ट भवन होते हुए आगे बढ़ा। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने बताया कि इंडिया ब्लॉक द्वारा आयोजित इस मार्च के लिए अभी तक कोई अनुमति नहीं ली गई है। दिल्ली पुलिस ने चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान ''मतदाता धोखाधड़ी'' के आरोपों के विरोध में संसद से भारत के चुनाव आयोग तक मार्च कर रहे इंडिया ब्लॉक के नेताओं को रोक दिया।

इससे पहले बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध करते हुए और 2024 के लोकसभा चुनावों में मतदाता धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए, चुनाव आयोग तक मार्च करने के लिए इंडिया ब्लॉक के नेता संसद के मकर द्वार पर एकत्र हुए। एसआईआर विवाद पर विपक्ष के हंगामे और संसदीय चर्चा की माँग के बाद दोनों सदनों की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले, इंडिया ब्लॉक के सांसदों द्वारा संसद से चुनाव आयोग मुख्यालय तक मार्च निकालने की योजना के चलते परिवहन भवन के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी और बैरिकेड्स लगा दिए गए थे। यह विरोध प्रदर्शन बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और 2024 के लोकसभा चुनावों में विपक्ष द्वारा ''मतदाता धोखाधड़ी'' कहे जाने वाले मुद्दे पर केंद्रित है।

आरजेडी सांसद मनोज झा ने कहा कि अगर आप जगह का बहाना बनाकर सांसदों से नहीं मिल सकते, तो ये अपने आप में एक टिप्पणी है कि आप किस तरह का काम कर रहे हैं... ये धोखाधड़ी है; आप वर्गीकृत डेटा उपलब्ध नहीं करा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद आपकी (चुनाव आयोग की) ज़िद नहीं जा रही है। समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने कहा कि हमारे लोकतंत्र पर सवाल उठ रहे हैं। उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुए, न सिर्फ़ वोटों की चोरी हुई, बल्कि बूथ कैप्चरिंग भी हुई। चुनाव आयोग ने उन अधिकारियों पर कार्रवाई क्यों नहीं की जो राज्य सरकार के आदेश पर काम कर रहे थे। वहीं, भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि विपक्ष ने तमाशा किया और सदन नहीं चलने दिया। अब ये लोग तमाशा मार्च निकालने जा रहे हैं। इस तमाशा मार्च से उन्हें जनता से सिर्फ़ निराशा ही हाथ लगेगी।

अरब सागर में तेज हलचल, एक ही समय में भारत-पाकिस्तान की नौसेना होंगी आमने-सामने

नई दिल्ली,11 अगस्त (एजेंसी)। अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद बढ़े तनाव के बीच, भारत और पाकिस्तान की नौसेनाएँ 11-12 अगस्त को अरब सागर में अलग-अलग फायरिंग अभ्यास करेंगी। जारी किए गए नोटिस टू एयरमेन के अनुसार, भारतीय नौसेना गुजरात के पोरबंदर और ओखा तटों पर अभ्यास करेगी, जबकि पाकिस्तानी नौसेना ने इन्हीं तारीखों के लिए अपने जलक्षेत्र में अपना फायरिंग ज़ोन घोषित किया है। रक्षा अधिकारियों ने ज़ोर देकर कहा कि ऐसे अभ्यास नियमित होते हैं, लेकिन समय और निकटता लगभग 60 समुद्री मील की दूरी ने विश्लेषकों को चिंतित कर दिया है।

22 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 नागरिकों की जान चली गई। जवाबी कार्रवाई में, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जो तीनों सेनाओं का एक समन्वित अभियान था और पाकिस्तान के भीतर जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकवादी ढाँचों को निशाना बनाया गया। इस अभियान में भारतीय सेना, वायु सेना और नौसेना द्वारा पाकिस्तानी रक्षा प्रतिष्ठानों पर सटीक हमले किए गए।

आगामी अभ्यास अरब सागर में नौसेना की बढ़ती गतिविधि और रणनीतिक रुख का संकेत देते हैं—यह क्षेत्र भारत और पाकिस्तान के समुद्री सुरक्षा हितों के लिए महत्वपूर्ण है। भारतीय नौसेना के अभ्यास में कथित तौर पर युद्धपोतों और संभवत: विमानों से सीधी गोलीबारी और युद्धाभ्यास शामिल होंगे, जबकि पाकिस्तान के अभ्यास परिचालन तत्परता के समानांतर प्रदर्शन का संकेत देते हैं।

यह अभ्यास ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुई हवाई और मिसाइलों की भीषण गोलीबारी के तुरंत बाद हो रहा है। बताया जा रहा है कि भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान की मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं को निष्क्रिय कर दिया, पाकिस्तान के प्रमुख शहरों में कई रक्षा प्रणालियों को नष्ट कर दिया और एक अवाक्स विमान को मार गिराया। भारत का यह भी दावा है कि इस अभियान के दौरान उसने छह पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को मार गिराया। हालांकि दोनों नौसेनाओं का कहना है कि आगामी अभ्यास मानक परिचालन प्रशिक्षण का हिस्सा हैं, लेकिन रक्षा पर्यवेक्षकों का कहना है कि कार्यक्रम और स्थान का यह संयोग हालिया शत्रुता के मद्देनजर भारत-पाक संबंधों की नाज़ुक स्थिति को दर्शाता है।

देश के कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली,11 अगस्त (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में झमाझम बारिश हो रही है। बारिश के चलते नदियां उफान पर हैं। पहाड़ी राज्यों में भारी बारिश के बीच लैंडस्लाइडिंग और बादल फटने का डर बना हुआ है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कई राज्यों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और हरियाणा में अगले तीन दिनों (12-14 अगस्त 2025) तक बारिश होने का अनुमान है।

दिल्ली-एनसीआर में अगले तीन दिनों में मौसम सुहावना रहने की उम्मीद है। सोमवार, मंगलवार और बुधवार को बादल छाए रहेंगे। इस बीच हल्की बारिश की भी संभावना है। मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान दिल्ली का अधिकतम तापमान 34-36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26-28 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। 13 और 14 अगस्त को बारिश की गतिविधियां जारी रहेंगी, जिससे उमस वाली गर्मी से लोगों को कुछ राहत मिलेगी। उत्तर प्रदेश में मानसून पूरी तरह सक्रिय है। अगले तीन दिनों में पूर्वी और पश्चिमी यूपी के कई जिलों जैसे प्रयागराज, लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, और मेरठ में भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने सोमवार, मंगलवार और बुधवार के लिए पूर्वी यूपी में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जहां भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 32-35 डिग्री और न्यूनतम 24-27 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है।

असम में एक संदिग्ध तस्कर गिरफ्तार, 2.5 करोड़ रुपये का गांजा बरामद

डिसपुर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि पुलिस ने कछार जिले में एक संदिग्ध तस्कर को गिरफ्तार किया है और उसके पास 2.5 करोड़ रुपये मूल्य का मादक पदार्थ बरामद किया है। शर्मा ने बताया कि यह गिरफ्तारी और बरामदगी खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान हुई।

शर्मा ने रविवार को 'एक्स' पर लिखा, ''जहर बेचने वालों के लिए बचने का कोई रास्ता नहीं। पुख्ता सूचना के आधार पर कछार पुलिस ने एक वाहन को रोका और उसमें से 2.5 करोड़ रुपये मूल्य का 362 किलोग्राम गांजा जब्त किया।

दिल्ली आ रही एअर इंडिया की उड़ान तकनीकी दिक्कत के बाद चेन्नई भेजी गई

नई दिल्ली,11 अगस्त (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और संसद की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष के. सी. वेणुगोपाल ने रविवार रात दावा किया कि उन्हें और कई अन्य सांसदों को तिरुवनंतपुरम से दिल्ली ला रहा एअर इंडिया का विमान ''त्रासदी के बेहद करीब'' पहुंच गया था। इस बीच, विमानन कंपनी ने एक बयान में कहा कि तिरुवनंतपुरम से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई2455 को रविवार शाम तकनीकी खराबी के कारण चेन्नई भेजा गया। वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''त्रिवेंद्रम से दिल्ली जा रही एअर इंडिया की उड़ान एआई 2455 आज एक त्रासदी के बेहद करीब पहुंच गयी, जिसमें मैं, कई सांसद और सैकड़ों यात्री सवार थे।''

उन्होंने कहा, ''प्रस्थान में देरी के साथ शुरू हुई यह यात्रा एक भयावह अनुभव में बदल गयी। उड़ान भरने के तुरंत बाद हमें अभूतपूर्व टर्बुलेंस (हवा की गति में परिवर्तन होने के कारण विमान को झटके लगना) का सामना करना पड़ा। करीब एक घंटे बाद कैप्टन ने उड़ान सिग्नल में खराबी की घोषणा की और विमान को चेन्नई ले जाया गया।''

कांग्रेस नेता ने कहा, ''लगभग दो घंटे तक उतरने की अनुमति का इंतजार करते हुए हम हवाई अड्डे के ऊपर चक्कर लगाते रहे और उसके बाद जब पहली बार हवाई अड्डे पर उतरने की कोशिश की गयी तो एक दिल दहला देने वाला क्षण आया तथा बताया गया कि एक और विमान रनवे पर मौजूद है। क्षण भर में कैप्टन की सूझबूझ से विमान ने ऊपर उड़ान भर ली और सभी की जान बचा ली। दूसरे प्रयास में विमान सुरक्षित उतरा।'' वेणुगोपाल ने कहा, ''हमें (कैप्टन के) कौशल और किस्मत दोनों ने बचाया। यात्रियों की सुरक्षा किस्मत पर नहीं छोड़ी जा सकती। मैं नागर विमानन महानिदेशालय और नागरिक उड्डयन मंत्रालय से अपील करता हूं कि इस घटना की तत्काल जांच करें, जिम्मेदारी तय करें और यह सुनिश्चित करें कि इस प्रकार की चूक फिर कभी न हो।'' वेणुगोपाल को 'एक्स' पर जवाब देते हुए एअर इंडिया ने कहा, ''हम स्पष्ट करना चाहेंगे कि चेन्नई की ओर मार्ग परिवर्तन संदिग्ध तकनीकी समस्या और खराब मौसम के कारण एहतियातनकिया गया था।'' विमानन कंपनी ने दावा किया, ''चेन्नई हवाई अड्डे पर पहली बार उतरने के प्रयास के दौरान चेन्नई एटीसी (वायु यातायात नियंत्रण) ने 'गो-अराउंड' का निर्देश दिया था, न कि रनवे पर कोई और विमान मौजूद था... हमारे पायलट ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए अच्छी तरह प्रशिक्षित हैं और इस मामले में उन्होंने पूरी उड़ान के दौरान मानक प्रक्रियाओं का पालन किया।''

भारत में जल्द शुरू होगी स्टारलिंक की सर्विस, कंपनी देश में ही स्टोर करेगी यूजर्स का डेटा, मस्क ने मानी शर्त

नई दिल्ली ,11 अगस्त (एजेंसी)। एलन मस्क की सेटेलाइट-बेस्ड इंटरनेट सेवा स्टारलिंक को लेकर भारत में एक बड़ा अपडेट सामने आया है। अब यह कंपनी देश में ही यूजर्स का डेटा और इंटरनेट ट्रैफिक स्टोर करेगी। इसके लिए स्टारलिंक भारत में अपना डेटा सेंटर स्थापित करेगी, जिससे सुरक्षा और गोपनीयता से जुड़े नियमों का पालन हो सके।

सरकार ने गुरुवार को संसद में यह जानकारी दी। हालांकि स्टारलिंक की सर्विस भारत में कब शुरू होगी, इसकी कोई तय तारीख अब तक घोषित नहीं की गई है। लेकिन इससे पहले कंपनी को कुछ और औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी, जिसमें स्पेक्ट्रम आवंटन और ज़रूरी इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना शामिल है।

दूरसंचार विभाग ने स्टारलिंक सेटेलाइट कम्युनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड को यूनिफाइड लाइसेंस (रु) जारी कर दिया है। कंपनी ने सभी जरूरी सुरक्षा शर्तें स्वीकार कर ली हैं। संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने राज्यसभा में जानकारी देते हुए बताया कि भारत में सेटेलाइट कम्युनिकेशन सर्विस शुरू करने के लिए कंपनी को देश के भीतर ही अर्थ स्टेशन (गेटवे) बनाने होंगे।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत से जुड़ा कोई भी यूजर ट्रैफिक देश के बाहर स्थित गेटवे के ज़रिए रूट नहीं किया जाएगा। इसके अलावा भारतीय डेटा की डिक्रिप्शन, स्टोरेज या मिररिंग विदेशों में किसी भी सर्वर या सिस्टम पर नहीं की जा सकेगी। यह कदम डेटा सिक्योरिटी के लिहाज़ से काफी अहम माना जा रहा है।

स्टारलिंक को जून में यूनिफाइड लाइसेंस मिला था और जुलाई में भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र से 5 साल के लिए परमिशन भी मिल चुकी है। अब कंपनी को भारत में अपनी सेवा शुरू करने से पहले स्पेक्ट्रम आवंटन और ग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा करना होगा।

स्टारलिंक, एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स का एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है, जिसका मकसद दुनिया के हर कोने तक हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड इंटरनेट पहुंचाना है ङ्क खासकर उन इलाकों में, जहां पारंपरिक नेटवर्क नहीं पहुंच पाता। इसके लिए कंपनी पृथ्वी की निचली कक्षा में हजारों छोटे सेटेलाइट तैनात करती है।

दिल्ली में तेज रफ्तार का कहर, थार ने पैदल जा रहे 2 लोगों को कुचला, एक की मौके पर मौत,एक घायल

नई दिल्ली ,11 अगस्त (एजेंसी)। राजधानी के चाणक्यपुरी इलाके में आज सुबह एक दर्दनाक हादसे ने सभी को झकझोर कर रख दिया। राष्ट्रपति भवन से महज दो किलोमीटर दूर, 11 मूर्ति के पास एक तेज़ रफ्तार थार एसयूवी ने दो राहगीरों को कुचल दिया। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल को फौरन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मृतक पैदल ही सड़क पार कर रहा था, तभी तेज रफ्तार थार ने अचानक टक्कर मार दी। टक्कर के बाद गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा भिड़ी और उसका अगला पहिया तक निकल गया। चौंकाने वाली बात यह रही कि हादसे के करीब एक घंटे तक मृतक का शव सड़क पर ही पड़ा रहा।

मुंबई से नशीली टैबलेट सप्लाई करने वाला आरोपी गिरफ्तार, मोबाइल और बैंक पासबुक जब्त

दुर्ग,11 अगस्त (एजेंसी)। दुर्ग पुलिस को नशीली टैबलेट्स की अवैध कारोबार मामले में कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल हुई है. दुर्ग में मुंबई से ऑनलाइन नशीली टैबलेट्स को मंगवाया जा रहा था. इसका खुलासा पुलिस ने एंड टू एंड कार्रवाई में किया है. मुंबई के पालघर से आरोपी मनीष कुमावत को गिरफ्तार किया गया है. आरोपी मैक्स टच लाइफ साइंस कम्पनी में काम करता था.

दरअसल, 22 जनवरी को राजनांदगांव चिखली निवासी आरोपी अंकित राजपूत को 7,200 नशीली टैबलेट के साथ गिरफ्तार किया गया था. जब्त

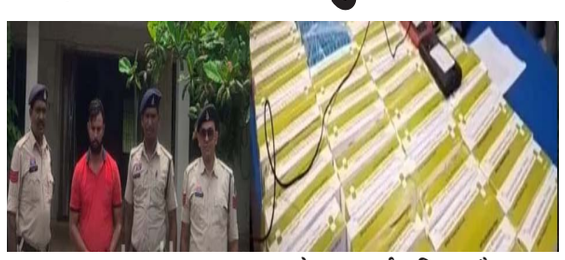

टैबलेट की कीमत 18 हजार रुपए आंकी गई थी. पुलिस ने आरोपी से नशीली टैबलेट के संबंध में कड़ाई से पूछताछ की, तो उसने मुंबई से एक व्यक्ति द्वारा ऑनलाइन नशीली टैबलेट मंगवाने की बात बताई. उसने बताया कि आरोपी मनीष कुमावत गूगल पे के जरिए कमीशन लेता था. इस सूचना के बाद दुर्ग पुलिस और खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम मुंबई पहुंची.

मुंबई के पालघर से आरोपी मनीष कुमावत को गिरफ्तार कर लिया गया है. आरोपी के कब्जे से मोबाइल और बैंक पासबुक जब्त किया गया है. फिलहाल फरार आरोपी जय राठौर की तलाश जारी है.

नशेड़ी युवकों की शर्मनाक करतूत, भगवान की मूर्तियों पर बरसाए थप्पड़, हिंदू संगठनों ने जताया कड़ा आक्रोश

कांकेर,11 अगस्त (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कांकेर से नशे में धुत युवकों द्वारा भगवानों का अपमान किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वीडियो में तीन युवक भगवानों की प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करते दिख रहे हैं. घटना पर हिंदू संगठनों ने आक्रोश जताया है. युवकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है.

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जो कांकेर जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के नवागांव स्थित ईशान वन का बताया जा रहा है. वीडियो में एक शर्टलेस युवक प्रभु श्री राम

और भगवान हनुमान की प्रतिमा के साथ गलत ढंग से छेड़छाड़ करते नजर आ रहा है. कुछ देर बाद वह दोनों प्रतिमाओं पर थप्पड़ बरसाते हुए दिखाई दे रहा है. वहीं अन्य युवक भी इस कृत्य में शामिल हो जाते हैं.

घटना का वीडियो सामने आने के बाद हिंदू सगठनों में भारी आक्रोश फैल गया है. उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है. वायरल वीडियो में अभद्र व्यवहार करते हुए नजर आ रहे युवकों का पहचान करते हुए हिन्दू संगठन ने कोण्डागांव जिले के आलोर निवासी महेश कोर्राम, शिवलाल, लोचन, संजीव मरकाम व उनके साथी होना बताया है. संगठन का कहना है कि इसमें तीन से चार युवक अभद्र व्यवहार करते दिख रहे है तो उनके साथी कैमरे के पीछे वीडियो बनाते हुए हस रहे है. संगठन ने जल्द से जल्द उन युवाओं के खिलाफ कार्यवाही करते हुए गिरफ्तारी की मांग की है ताकि ऐसी घटनाओं की कही और पुनरावृत्ति ना हो सके.

मंत्री लखन लाल देवांगन को 10 हज़ार से अधिक बहनों ने बाँधी स्नेह की डोर

मंत्री देवांगन के आमंत्रण पर राखी बाँधने पहुंची हज़ारों बहनें, 0 मंत्री बोले-बहनों का विश्वास और स्नेह ही मेरी सबसे बड़ी ताकत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोरबा में राखी इस बार कुछ खास रहा।जब शहर के लोकप्रिय जननेता, स्थानीय विधायक और, वाणिज्य उद्योग एवं श्रम मंत्री ने हज़ारों बहनों के साथ भाईचारे का यह पावन पर्व मनाया।

सुबह 11 बजे से ही पंचवटी के समीप शासकीय आवास बहनों के प्रेम और उत्साह से परिपूर्ण रहा। मंत्री लखन लाल देवांगन ने सभी बहनों से आत्मीयता के साथ कलाई में राखी बंधवाई। भारतीय जनता पार्टी की महिला कार्यकर्ताओ के साथ साथ शहर की बहनों ने मंत्री श्री देवांगन को तिलक लगाकर राखी बाँधी।

इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कहा की आज राखी के पावन पर्व पर भारतीय जनता पार्टी की मेरे बहनों और कोरबा समेत जिले के अलग अलग जगहों से आई 'लाड़ली बहनों' से राखी बंधवाकर सेवा, समर्पण और विश्वास के इस पावन बंधन को और भी प्रगाढ़ किया। यह केवल एक रक्षासूत्र नहीं, बल्कि नारी सम्मान, आत्मनिर्भरता और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक भी है। मंत्री श्री देवांगन ने बहनों के स्नेह का आशीर्वाद स्वीकार करते हुए उनके सुख-दुख में सदैव साथ निभाने का संकल्प लिया। श्री देवांगन ने कहा की कोरबा विधानसभा मेरा परिवार है। विष्णु देव सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिये 'महतारी वंदन योजना ' के माध्यम से प्रति माह एक हज़ार रूपए मिल रहे है।

मंत्री देवांगन हर बहन को मुस्कुराकर प्रणाम कर रहे थे, बच्चों को दुलार रहे थे और बुजुर्ग माताओं के पैर छूकर आशीर्वाद ले रहे थे। मंत्री की कलाई पर सैकड़ों रंग-बिरंगी राखियाँ लिपट चुकी थीं,हर धागे में आशीर्वाद, हर रंग में विश्वास और हर मुस्कान में भाई-बहन के अटूट बंधन दिखाई पड़ रहा था।

इस बीच जब मिडिया द्वारा पूछा गया कि कोरबा की इतनी सारी बहनों का रक्षा सूत्र और प्यार कैसा लगा तो वे मुस्कुराए और बोले, ये तो मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। बहनों का विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। मैं उनके सम्मान और सुरक्षा के लिए हर पल समर्पित हूँ। पूरे कार्यक्रम के दौरान बहनों के लिए सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही और हर बहन तक मिठाई और भेंट दी गई

इस अवसर पर महापौर श्रींमती संजू देवी राजपूत, भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी, जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह, पार्षद श्री नरेंद्र देवांगन, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष श्रीमती वैशाली रत्नपारखी, कोरबा मंडल अध्यक्ष योगेश मिश्रा, दर्री मंडल अध्यक्ष मनोज लहरे, कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष राजेश राठौर, बालको मंडल अध्यक्ष दिलेन्द्र यादव, सर्वमंगला मंडल अध्यक्ष मनीष मिश्रा, रजनीश देवांगन, तुलसी ठाकुर, नारयण ठाकुर, ईश्वर साहू, पार्षद लक्मण श्रीवास, पार्षद मुकुंद सिंह कँवर समेत अधिक संख्या में कार्यकर्ता व पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

झाबर की सड़क बदहाल, नालियों की सफाई नहीं करा रहे, बदबू से परेशानी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। झाबर गांव की गली की सड़क बदहाल हो चुकी है। नाली की साफ भी नहीं कराई जा रही है। सफाई की बदहाल व्यवस्था से ग्रामीण परेशान हैं।

झाबर की सड़क पर आवाजाही में ग्रामीणों को परेशानी हो रही है। कई बार इस समस्या की ओर ग्राम पंचायत झाबर के सरपंच व सचिव का ध्यान दिला चुके हैं, लेकिन निराकरण को लेकर अब तक पहल नहीं हो सकी है। उप सरपंच निलेश साहू ने कहा कि सड़क खराब हो चुकी है। नाली की सफाई नहीं होती है। मरम्मत के अभाव में नाली भी जर्जर अवस्था में है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से सफाई व्यवस्था को सुधारने हस्तक्षेप की मांग की है।

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में जल संकट, सुचारू सप्लाई नहीं होने से परेशानी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। हाउसिंग बोर्ड की रामपुर कॉलोनी के लोग पानी को लेकर परेशान हैं। यह परेशानी एक पखवाड़े से भी अधिक समय से बनी हुई है। पानी आपूर्ति कब शुरू होगी और कब बंद हो जाएगी, इसकी सही जानकारी किसी को नहीं होती है।

कोई तकनीकी समस्या होने पर पानी आपूर्ति नहीं करने की जानकारी तक नहीं दी जाती है। आए दिन कोई न कोई परेशानी बनी रहती है। स्थिति यह है कि छत की टंकी तक पानी ही नहीं पहुंच रहा है। इसके कारण न तो ठीक से पीने का पानी मिल रहा है और ना ही अन्य काम के लिए। इसकी शिकायत करने के बाद भी कर्मचारी ध्यान दे रहे हैं और ना ही वे अपने जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी जानकारी देते हैं।

कॉलोनी के हर ब्लॉक के अंतिम छोर में रहने वालों के साथ यह दिक्कत है। टंकियों में जिस गति से पानी आना चाहिए, वैसी गति नहीं मिलती है। हर रोज सुबह पानी नहीं मिलने से पूरा दिन तनाव में लोगों का बीतता है। जो बोर लगे हैं, टंकी भरने वे अब सक्षम नहीं हैं, जिसके कारण टंकी नहीं भर पाती है और सुबह-शाम पानी की किल्लत होती है। इसका स्थायी विकल्प विभाग नहीं कर पा रहा है।

पानी के लिए रतजगा कर रहे, अलसुबह उठना मजूबरी सुचारू आपूर्ति नहीं होने के कारण कॉलोनीवासियों को पानी के लिए रतजगा करना पड़ता है। अलसुबह उठकर लोग छतों पर पहुंच जाते हैं। पानी सप्लाई शुरू होने का इंतजार करते हैं। हर कोई अपनी टंकी को झांकता रहता है, शायद अब पानी पहुंच जाएगा, लेकिन इसका फायदा कुछ नहीं होता है। टाइम कीपरों से शिकायत करने का भी कोई फायदा नहीं होता है। इसके कारण नियमित पानी का बिल जमा करने वाले लोग परेशान होते हैं, जबकि किराए में रहने वाले लोग इसका फायदा उठा रहे हैं।

ब्रम्हाकुमारी बहनों ने अफसरों-पुलिस को बांधी राखी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। रक्षाबंधन पर्व पर प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की बहनों ने कलेक्ट्रेट दफ्तर के अफसर-कर्मियों, जनप्रतिनिधियों व पुलिस के जवानों को राखी बांधी। संस्था के केंद्रों से जुड़ी बहनों ने नगर के प्रमुख कार्यालयों, स्कूलों, सामाजिक संस्थानों और रेलवे स्टेशन पर जाकर ईश्वरीय रक्षा सूत्र बांधा और आत्मिक शक्ति का संदेश दिया। स्कूलों में नशा मुक्ति, नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच के महत्व को बताया। जिला जेल में बंदियों को प्रेम, और आत्म सुधार का संदेश दिया। राखी बांधकर उनके जीवन में नई प्रेरणा का संचार किया। वृद्धाश्रम में पहुंचकर संस्था की बहनों ने बुजुर्गों को राखी बांधी और उन्हें स्नेह और सम्मान का अहसास दिलाया। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि रक्षा सूत्र केवल भाई-बहन का पर्व नहीं, बल्कि आत्मा को बुरी प्रवृत्तियों से बचाने का संकल्प है। यह पर्व हमें ईश्वर से अटूट संबंध जोड़कर आंतरिक शक्ति प्राप्त करने की प्रेरणा देता है।

राशिफल

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज के दिन किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में बढ़ोतरी करेगा। आज के दिन आप ऐसे काम करें जिनसे आपको खुशी मिले, लेकिन दूसरों के मामलों में दख़लअंदाज़ी करने से भी बचें तो और भी अच्छा रहेगा।

वृष राशि - आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज खुद को आशावादी बनने के लिए प्रेरित करें, इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और व्यवहार लचीला बनेगा। आज अचानक आए ख़र्चे आपका आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं लेकिन जीवनसाथी की सहायता से आप हर मुश्किल से पार पा लेंगे।

मिथुन राशि - आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आप अपनी खुशियों को दूसरों के साथ साझा करेंगे इससे आपकी खुशी और बढ़ेगी। आज लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि से आपको छुटकारा मिलने के योग बन रहे हैं।

कर्क राशि - आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहने वाला है। आज रचनात्मक काम आपको सुकून देगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज आपको अच्छा-खासा धन लाभ होने के योग बन रहे है। जिसका उपयोग आप निजी कार्यों के लिए भी कर सकते हैं। सामाजिक कार्यक्रमों में सहभागिता का मौक़ा मिलेगा, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा।

सिंह राशि - आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपके विनम्र स्वभाव की सराहना होगी। आज आस पास के व्यक्ति आपके स्वभाव की तारीफ करेंगे। आप व्यापार को मजबूती देने के लिए आज कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है।

कन्या राशि - आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहेगा। आज किसी से भी अपने विचार व्यक्त करने में हिचकिचाएं नहीं। आज आप आत्मविश्वास की कमी को खुद पर हावी न होने दें, आप पूरे फोकस के साथ काम करें तो आपको अच्छा परिणाम मिलेगा। इस राशि के छात्र आज किसी विषय को समझने के लिए अपने सीनियर की मदद ले सकते हैं।

तुला राशि - आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहेगा। आज आप किसी काम को मेहनत और लगन से पूरा करेंगे, जिसमें आपको सफलता मिलेगी। जीवन के अहम दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करेंगे। आज मित्रों के माध्यम से आपका ख़ास व्यक्तियों से मिलना जुलना हो सकता है, जो आगे चलकर फ़ायदेमंद साबित होगा।

वृश्चिक राशि - आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। स्वास्थ्य समस्या से आज आपको काफ़ी रिलैक्स होने की संभावनाए हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं।

धनु राशि - आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। दोस्तों के साथ आज की शाम अच्छी रहेगी लेकिन समय का ख्याल आपको रखना पड़ेगा नहीं तो माता जी डांट पड़ सकती है। विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आज पारिवारिक सदस्यों से मतभेद ख़त्म कर आप अपने उद्देश्यों को आसानी से पूरा कर सकते हैं।

मकर राशि - आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। आज ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आज जरूरी काम में मन लगाएं और जज़्बाती बातों से बचें। जीवनसाथी के साथ यह एक बढ़िया दिन गुज़रने वाला है।

कुम्भ राशि - आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सम्मान दिलाएगा। पारिवारिक संबंधों में गहराई और अपनापन आपको महसूस हो सकता है। आज किसी समारोह के होने कारण से आपकी जिम्मेदारी बढ़ सकती है जिसे आप बखूबी पूरा भी करेंगे। आज आपके जमीन जायदाद से जुड़े काम निपट सकते हैं इसके आलावा साझेदार की गतिविधियों पर भी ध्यान दें।

मीन राशि - आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आप मनोरंजन में बाहर की गतिविधियों और खेल-कूद को शामिल करेंगे। आज घर की छोटी-छोटी ख़ुशियों में शामिल होकर आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। आज आपको किसी काम से बाहर जाना पड़ सकता है, जिससे आपका कोई जरुरी काम रुक सकता है। अपने घर में बिखरी चीजों को संभालने का आज प्लान करेंगे लेकिन आपको इसके लिए आज खाली समय नहीं मिल पाएगा।

विश्व आदिवासी दिवस पर शक्ति प्रदर्शन: पाली में हजारों आदिवासियों ने निकाली रैली

शराबबंदी की मांग पर थाना के बाहर नारेबाजी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोरबा में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर शनिवार को आदिवासी समाज ने अपनी एकजुटता का ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। पाली में आयोजित कार्यक्रम में सुबह से ही पारंपरिक वेशभूषा और झंडों के साथ समाज के लोग पहुंचने लगे।

इस अवसर पर आदिवासी समाज के विभिन्न संगठन, युवा मंडल, महिला मंडल और सांस्कृतिक दल भी मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान एक विशाल रैली निकाली गई। रैली में आदिवासी समाज के लोग ढोल-मांदर की थाप पर पारंपरिक नृत्य करते हुए आगे बढ़े।

रैली के दौरान आदिवासी समाज ने शराबबंदी की मांग को लेकर नारे लगाए। हजारों की संख्या में लोग पाली थाना के बाहर पहुंचे और शराब भट्टी को बंद करने की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की। इस दौरान सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई और जाम की स्थिति बन गई।

पाली पुलिस मौके पर मौजूद रही और लोगों को समझाने का प्रयास किया। समाज के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि आदिवासियों की परंपरा, संस्कृति और जीवनशैली को संरक्षित करना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है।

तुलेश्वर मरकाम ने बताया कि विश्व आदिवासी दिवस हर साल 9 अगस्त को दुनियाभर में मनाया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने की थी। उन्होंने यह भी कहा कि जन जागरूकता के अभाव में आज भी आदिवासियों के साथ अत्याचार हो रहा है।

मरकाम के अनुसार समाज अब अपने अधिकारों के लिए सामने आ रहा है। लोग जागरूक हो रहे हैं और आने वाले दिनों में समाज एक बड़ा रूप लेगा और अपने अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ेगा।

हसदेव नदी संरक्षण को लेकर हस्ताक्षर अभियान शुरू

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले की जीवनदायिनी हसदेव नदी आज प्रदूषण, अव्यवस्था और उपेक्षा का शिकार है। इसे फिर से संरक्षित, स्वच्छ और सौंदर्यपूर्ण बनाने के उद्देश्य से नमामि हसदेव सेवा समिति द्वारा प्रत्येक मास की पूर्णिमा को मां सर्वमंगला घाट कोरबा पर हसदेव आरती की जाती है।

इसी क्रम में श्रावण पूर्णिमा के शुभ अवसर पर 9 अगस्त को शाम 5 बजे मां सर्वमंगला घाट कोरबा पर आयोजित हसदेव आरती में मुख्य यजमान के रूप में ठाकुर जुड़ावन सिंह उपाध्यक्ष, विद्या भारती (मध्य क्षेत्र) और विशिष्ट यजमान के रूप में नान्हीदास दीवान प्रांताध्यक्ष, छत्तीसगढ़ शिक्षक महासंघ और डॉ. नागेन्द्र नारायण शर्मा अध्यक्ष, आयुष मेडिकल एसोसिएशन कोरबा शामिल रहे। नमामि हसदेव सेवा समिति ने कोरबा जिले की जीवनदायिनी हसदेव नदी के प्रदूषण को कम करने, संरक्षण करने और तट के सौंदर्यीकरण के लिये दर्री बांध से कुदुरमाल पुल तक नदी के दोनों किनारों पर रिवर फ्रंट का निर्माण करवाने, श्रावण मास की पूर्णिमा 9 अगस्त से आश्विन पूर्णिमा 7 अक्टूबर तक हस्ताक्षर अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इस अभियान की शुरुआत हसदेव तट मां सर्वमंगला घाट पर हसदेव आरती के बाद ठाकुर जुड़ावन सिंह, नान्हीदास दीवान और डॉ. नागेन्द्र नारायण शर्मा ने हस्ताक्षर कर किया।

प्रेरकों ने की रोजगार में प्राथमिकता देने की मांग

श्रम मंत्री से की मुलाकात, सौंपा ज्ञापन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ में 2007 से साक्षर भारत कार्यक्रम के तहत लगभग 18000 प्रेरकों की नियुक्ति प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक महिला व एक पुरुष किया गया था । जिसे 2000 मासिक मानदेय प्रदान किया जा रहा था। जिसका उद्देश्य प्रौढ़ शिक्षा के माध्यम से 18 वर्ष से अधिक असाक्षरों को शिक्षा प्रदान करना था। प्रेरक प्रौढ़ शिक्षा के साथ-साथ पंचायत के विभिन्न कार्यों में सतत अपना सहयोग करते थे। स्कूली शिक्षा का कार्य , सर्वे ,निरीक्षण , जॉब कार्ड ,राशन कार्ड ,शौचालय निर्माण में अपनी अहम भूमिका प्रेरकों के द्वारा निभाया गया। किंतु साक्षरता प्रेरकों को 31 मार्च 2018 से इस कार्यक्रम से पृथक कर दिया गया। जबकि आज भी कार्यक्रम संचालित है। संगठन के पदाधिकारियों के दिशानिर्देश में कोरबा जिला इकाई के द्वारा श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन को रोजगार प्रदान करने मुख्यमंत्री के नाम से ज्ञापन सौंपा गया । प्रेरकों ने ज्ञापन के माध्यम से मंत्री को अवगत कराया कि विधानसभा चुनाव में जारी मोदी के गारंटी पत्र के तहत 1.5 लाख लोगों को रोजगार देने के लिए सरकार तुहर द्वार योजना का उल्लेख है। वहां पर प्रेरकों को प्राथमिकता प्रदान करते हुए रखने की मांग की गई है।

जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग जिले में अमरनाथ की पवित्र गुफा की ओर जाते हुए भगवान शिव की पवित्र गदा छड़ी मुबारक ले जाते हुए साधु।

फिलीपींस गणराज्य के राष्ट्रपति फर्डिनेंड रोमुअलडेज़ मार्कोस जूनियर बैंगलोर के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह नई दिल्ली में भारत मंडपम में 11वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 2025 के उद्घाटन के अवसर पर। साथ में विदेश और कपड़ा राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा भी हैं।

कनाडा में 21 साल की भारतीय छात्रा की हत्या मामले में चल रही जांच , लगे हैं गंभीर आरोप

टोरंटो ,11 अगस्त(एजेंसी)। डिटेक्टिव सार्जेंट डेरिल रीड के हवाले से बताया गया कि हैमिल्टन पुलिस ने मंगलवार को ओंटारियो के नियाग्रा फॉल्स में 32 साल की जेरडाइन फोस्टर को गिरफ्तार किया था। उस पर हत्या के प्रयास के तीन मामलों में भी आरोप लगाए हैं।कनाडा में 21 वर्षीय भारतीय छात्रा हरसिमरत रंधावा की हत्याकांड में गोली चलाने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर हत्या का आरोप लगाया गया है। कार्यवाहक डिटेक्टिव सार्जेंट डेरिल रीड के हवाले से बताया गया कि हैमिल्टन पुलिस ने मंगलवार को

ओंटारियो के नियाग्रा फॉल्स में 32 वर्षीय जेरडाइन फोस्टर को गिरफ्तार किया था। उस पर हत्या के प्रयास के तीन मामलों में भी आरोप लगाए हैं। मोहॉक कॉलेज में फिजियोथेरेपी कोर्स में दाखिला लेने वाली द्वितीय वर्ष की छात्रा रंधावा को 17 अप्रैल को गोली लगी थी। अस्पताल में उसकी मौत हो गई थी। वारदात उस वक्त हुई, जब छात्रा अपर जेम्स स्ट्रीट और साउथ बेंड रोड के चौराहे पर एक बस स्टॉप के पास खड़ी थी। बताया जा रहा है कि भारतीय छात्रा बस से उतरी ही थी और सड़क पार करने का इंतजार कर रही थी, तभी उसे गोली लगी। बताया गया कि चार कारों में सवार कम से कम सात लोगों के बीच विवाद हुआ। इस दौरान गोलीबारी हुई। कारों के बीच गोलियां चलीं और कम से कम दो बंदूकों का इस्तेमाल किया गया। हरसिमरत एक निर्दोष दर्शक थी। वह बस एक स्थानीय जिम से घर जा रही थी, तभी उसे गोली मार दी गई और उसकी मौत हो गई। जांच अभी भी जारी है। हम इस मौत में शामिल सभी लोगों की पहचान, पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

अमेरिका ने फिर अलापा पुराना राग, विदेश मंत्री बोले– भारत–पाकिस्तान संघर्ष में हम सीधे तौर पर शामिल हुए

वॉशिंगटन ,11 अगस्त (एजेंसी)। अमेरिका का ट्रंप प्रशासन कई बार दावा कर चुका है कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने में उनकी भूमिका है। हालांकि भारत सरकार की तरफ से इस दावे को खारिज कर दिया गया लेकिन फिर भी बार-बार राष्ट्रपति ट्रंप और उनके प्रशासन के मंत्री वही दावा कर रहे हैं। अब एक बार फिर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि जब भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष हुआ तो अमेरिका उसमें सीधे तौर पर शामिल हुआ था और राष्ट्रपति ट्रंप दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच शांति स्थापित करने में सफल रहे।

अमेरिका में जन्म के बाद मिलने वाली नागरिकता छीनने पर फिर फंसे ट्रंप, अमेरिकी अदालत ने चौथी बार लगाई रोक

वॉशिंगटन,11 अगस्त (एजेंसी) अमेरिका की मैरीलैंड अदालत ने ट्रंप के उस आदेश पर रोक लगा दी है जिसमें अवैध या अस्थायी प्रवासियों के बच्चों को नागरिकता से वंचित करने की बात कही गई थी। जज डेबोरा बोर्डमैन ने इसे संविधान के 14वें संशोधन का उल्लंघन बताया। यह चौथी बार है जब किसी अदालत ने इस नीति को खारिज डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को एक और बड़ा झटका लगा है। मैरीलैंड की संघीय अदालत ने ट्रंप के उस आदेश पर रोक लगा दी है जिसमें कहा गया था कि अमेरिका में अवैध या अस्थायी रूप से रह रहे लोगों के बच्चों को नागरिकता नहीं दी जाएगी। यह फैसला देशभर में चौथी बार आया है जब ट्रंप की जन्माधिकार नीति को न्यायालय ने अवैध बताया है। यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देशों के बावजूद हुआ, जिससे पूरे देश में इस आदेश के लागू होने पर प्रभाव पड़ामैरीलैंड की यूएस डिस्ट्रिक्ट जज डेबोरा

बोर्डमैन ने साफ किया कि ट्रंप का आदेश अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन का उल्लंघन करता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में जन्म लेने वाले सभी बच्चे, चाहे उनके माता-पिता की कानूनी स्थिति कुछ भी हो, नागरिकता के हकदार हैं। अदालत ने यह आदेश 19 फरवरी 2025 के बाद जन्म लेने वाले सभी बच्चों पर लागू किया है, जिन्हें इस आदेश से नुकसान हो सकता था।सुप्रीम कोर्ट की पृष्ठभूमि के बावजूद निर्णयइससे पहले, जून में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया था कि निचली अदालतें सामान्य रूप से राष्ट्रव्यापी निषेधाज्ञा जारी नहीं कर सकतीं। इसके बावजूद, बोर्डमैन ने अपने निर्णय में कहा कि चूंकि यह मामला एक वर्ग-कार्रवाई मुकदमा है, इसलिए इसका प्रभाव पूरे देश पर हो सकता है। उन्होंने कहा कि यदि ट्रंप का आदेश लागू हुआ तो इससे प्रभावित बच्चों को अपूरणीय नुकसान होगा।ट्रंप प्रशासन की योजना और उसका विरोधट्रंप का जनवरी में जारी किया गया आदेश अवैध प्रवासियों या अस्थायी निवासियों के बच्चों को नागरिकता देने से रोकने के लिए था। यह आदेश प्रवासी नीतियों को सख्त बनाने की उनकी रणनीति का हिस्सा था। परंतु मानवाधिकार संगठनों और कई अमेरिकी राज्यों ने इसका विरोध किया और इसे अमानवीय बताया। कोर्ट में दायर याचिकाओं में इसे संविधान विरोधी करार दिया गया।भारत रणनीतिक साझेदार, हम पूर्ण और स्पष्ट बातचीत करते हैं%, टैरिफ की धमकियों के बीच बदले अमेरिका के सुरन्यायिक प्रक्रिया और अपील की संभावनाबोर्डमैन इससे पहले फरवरी में भी इसी तरह की एक अस्थायी निषेधाज्ञा जारी कर चुकी थीं। बाद में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के चलते यह निषेधाज्ञा अस्थिर हो गई थी। अब चौथी सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स ने मामला फिर से बोर्डमैन को सौंपा, और उन्होंने इस पर अंतिम निर्णय दिया। हालांकि व्हाइट हाउस ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन संभावना है

रूस के साथ क्षेत्रीय अदला-बदली नहीं करेगा यूक्रेन, जेलेंस्की ने ठुकराया ट्रंप का प्रस्ताव

कीव ,10 अगस्त । यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने साफ कहा है कि उनका देश किसी भी हाल में रूस को अपनी जमीन नहीं देगा। यह बयान उन्होंने तब दिया, जब अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध खत्म करने के लिए इलाकों की अदला-बदली का सुझाव दिया था। जेलेंस्की ने इस सुझाव को दृढ़ता से खारिज कर दिया है।

जेलेंस्की ने शनिवार को कहा, यूक्रेन कभी भी कब्जा करने वाले को अपनी जमीन नहीं देगा। हम रूस को उसके किए का कोई इनाम नहीं देंगे। जेलेंस्की ने वास्तविक और स्थायी शांति की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए कहा कि लक्ष्य हत्याओं पर विराम नहीं, बल्कि तत्काल एक वास्तविक और स्थायी शांति है।

यह बयान उस समय आया जब यूक्रेन और यूरोप के शीर्ष अधिकारी, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस से इंग्लैंड के केंट शहर में मिले। इस बैठक में युद्ध खत्म करने के कूटनीतिक रास्तों पर चर्चा हुई। इस बैठक में यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, फ़िनलैंड और पोलैंड सहित प्रमुख यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि शामिल थे।

जेलेंस्की ने बैठक को सकारात्मक बताया और उम्मीद जताई कि पश्चिमी देशों का समर्थन आगे भी मिलेगा। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि फरवरी से अब तक ट्रंप प्रशासन की हर युद्धविराम पहल को यूक्रेन ने समर्थन दिया है, और आगे कहा, मैंने किसी भी सहयोगी को युद्ध समाप्त करने की अमेरिका की क्षमता पर संदेह व्यक्त करते नहीं सुना है। जेलेंस्की ने ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच 15 अगस्त को अलास्का में होने वाली प्रस्तावित बैठक की भी कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, यूक्रेन की भागीदारी के बिना लिया गया कोई भी फैसला बेकार है और कभी काम नहीं करेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस मुलाकात की पुष्टि की और बताया कि यह अगले शुक्रवार अलास्का में होगी।

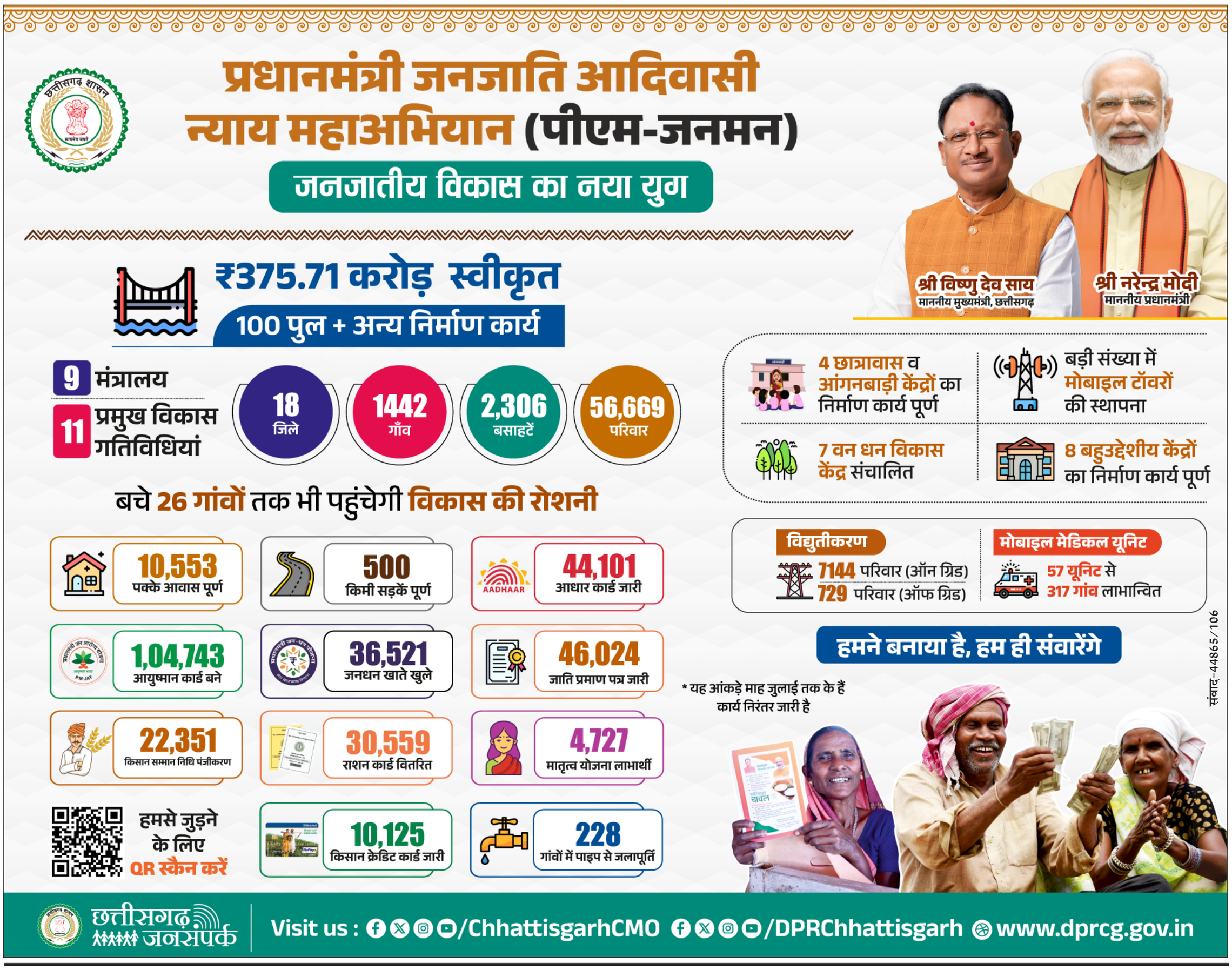

सम्पादकीय...

अपरिपक्व राजनीति

कांग्रेस के विधि, मानवाधिकार और आरटीआई विभाग द्वारा आयोजित वार्षिक विधिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा 'मुझे याद है जब मैं कृषि कानूनों (भूमि अधिग्रहण कानून में संशोधन संबंधी विधेयक) के खिलाफ लड़ रहा था, तो अरुण जेटली को मुझे धमकाने के लिए भेजा गया था।' कांग्रेस नेता के अनुसार, जेटली ने उनसे कहा, 'अगर आप इसी रास्ते पर चलते रहे, सरकार का विरोध करते रहे और कृषि कानूनों पर हमसे लड़ते रहे, तो हमें आपके खिलाफ कार्रवाई करनी पड़ेगी।' राहुल गांधी ने कहा कि मैंने जवाब दिया कि लगता है आपको पता नहीं है और आपको अंदाजा भी नहीं है कि किससे बात कर रहे हैं। हम कांग्रेसी हैं और हम कायर नहीं हैं। हम कभी झुकते नहीं। अंग्रेज भी हमें झुका नहीं सके। राहुल गांधी के उपरोक्त बयान पर पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने इसे अपरिपक्व राजनीति का प्रतीक बताते हुए राहुल गांधी से जेटली परिवार व देश से माफी मांगने की बात कही है। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस में बस एक यही सच है कि उनकी हर बात झूठ है। दिन, सप्ताह, महीने, साल बीतते गए बस राहुल गांधी में एक ही चीज है जो उनके अंदर बनी हुई है। कोई परिवर्तन नहीं, न होने की कोई उम्मीद। हर दिन एक नया झूठ, एक नया प्रॉपेगंडा। कांग्रेस पार्टी को गंभीरता से विचार करना होगा कि आखिर राहुल गांधी झूठ-फरेब मक्कारी की राजनीति से आखिर क्या हासिल करना चाहते हैं? लोग दलगत राजनीति से ऊपर उठकर जेटली का सम्मान करते थे, उनके अनुभव का लाभलेते थे। जिन्होंने देश को इतना कुछ दिया उनके बारे में राहुल गांधी जी इतना बड़ा झूठ आखिर कैसे बोल सकते हैं? अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि राहुल कहते हैं कि जब मैं कृषि कानूनों से लड़ रहा था तब जेटली जी ने मुझे धमकाया था ? राहुल गांधी सफेद झूठ बोल रहे हैं क्योंकि 24 अगस्त, 2019 को अरुण जेटली जी का निधन हुआ जबकि 3 जून, 2020 को मोदी कैबिनेट में कृषि कानून आया था। राहुल गांधी अपनी एक अलग ही काल्पनिक दुनिया बना कर उसमें रहते हैं, जहां सच और तथ्य की कोई जगह नहीं है। खुद भ्रम में जीना और देश वासियों को भ्रमित करना अब कांग्रेस पार्टी के लिए एक मजबूरी बन गई है। राहुल गांधी के ऊपर देशभर में मानहानि के कई मुकदमे पहले ही चल रहे हैं। उन्हें जेटली जी के परिवार व देश से माफी मांगनी चाहिए। राहुल गांधी के दावे पर पलटवार करते हुए डीडीसीए प्रमुख रोहन जेटली ने एक्स पर लिखा, 'राहुल गांधी अब दावा कर रहे हैं कि मेरे दिवंगत पिता अरुण जेटली ने उन्हें कृषि कानूनों को लेकर धमकी दी थी। मैं उन्हें याद दिला दूं कि मेरे पिता का निधन 2019 में हो गया था। कृषि कानून 2020 में पारित हुए थे। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि विरोधी विचार वाले किसी भी व्यक्ति को धमकाना मेरे पिता के स्वभाव में नहीं था। वह एक कट्टर लोकतांत्रिक व्यक्ति थे और हमेशा आम सहमति बनाने में विश्वास रखते थे।' राहुल पर 'बेशर्मी से सरासर झूठ बोलने' का आरोप लगाते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि जेटली अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों और यहां तक कि अपने 'दुश्मनों' से भी शालीनता से बात करते थे। उन्होंने कहा कि राहुल को माफी मांगनी चाहिए। वह झूठ बोल रहे हैं, वह भी एक सम्मानित (पूर्व) वित्त मंत्री के बारे में, जिनका निधन हो चुका है। उनकी टिप्पणी बेहद शर्मनाक है। उन्हें अपने पद की गरिमा बनाए रखनी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने दिवंगत अरुण जेतली पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर निशाना साधा। आरपी सिंह ने कहा कि राहुल गांधी ने फिर सफेद झूठ बोला। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, राहुल गांधी ने फिर बोला सफेद झूठ। सच्चाई क्या है? आरपी सिंह ने लिखा, किसान कानून सितंबर 2020 में लाए गए, लेकिन अरुण जेतली जी का निधन 2019 में हो गया था और उससे पहले वे कई महीनों तक बिस्तर पर थे। तो क्या राहुल गांधी भूतों से बात करते हैं? या फिर झूठ बोलना उनकी आदत बन गई है। आरपी सिंह ने लिखा, भारत को ऐसे गैर जिम्मेदार नहीं, बल्कि गंभीर विपक्षी नेता की जरूरत है।

भारत के खिलाफ ट्रंप का टैरिफ वॉर- बातचीत से पहले दबाव बनाने की कोशिश या बड़ी लड़ाई का संकेत

संतोष कुमार पाठक

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जिद का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने दुनिया पर सबसे ज्यादा टैरिफ भारत पर थोप दिया है। ट्रंप के ऐलान के बाद दुनिया के दो देशों- भारत और ब्राजील पर सबसे ज्यादा टैरिफ (50 प्रतिशत) लग गया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी धमकी के मुताबिक, भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। इस नए ऐलान के बाद भारत पर अब कुल मिलाकर अमेरिका ने 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जिद का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने दुनिया पर सबसे ज्यादा टैरिफ भारत पर थोप दिया है। ट्रंप के ऐलान के बाद दुनिया के दो देशों- भारत और ब्राजील पर सबसे ज्यादा टैरिफ (50 प्रतिशत) लग गया है। ट्रंप का यह फैसला अपने आप में कितना अजीब है कि रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीदने वाले देश चीन पर उसने सिर्फ 30 प्रतिशत का ही टैरिफ लगाया है, जबकि भारत पर 50 प्रतिशत थोप दिया है।

ऐसे में अब सवाल यह उठ रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप के इस जिद भरे फैसले को कैसे देखा जाए क्योंकि अमेरिका इस बात को बखूबी समझता है कि भारत की कोई भी सरकार अमेरिका के दबाव में रूस के साथ अपने कारोबारी रिश्ते को खत्म नहीं कर सकती है। भारत रूस से तेल भी खरीदता रहेगा और व्यापारिक संबंध भी रखेगा। ऐसे में कई जानकारों का यह भी मानना है कि ट्रंप का यह फैसला बातचीत से पहले भारत पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा है। याद दिला दें कि, भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते और टैरिफ को लेकर बातचीत लगातार जारी है और छठे दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी अधिकारियों का एक दल 25 अगस्त को भारत के दौरे पर आने वाला है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के ऐलान के बाद, भारत ने बुधवार को ही इसका जवाब भी दे दिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को ही अमेरिका के फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए बयान जारी कर कहा कि,卐हाल के दिनों में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने रूस से भारत के तेल आयात को निशाना बनाया है। हमने इन मुद्दों पर अपनी स्थिति पहले ही स्पष्ट कर दी है, जिसमें यह तथ्य भी शामिल है कि हमारे आयात बाज़ार के कारकों पर आधारित हैं और भारत के 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के समग्र उद्देश्य से किए जाते हैं। इसलिए, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका ने भारत पर उन कार्यों के लिए अतिरिक्त शुल्क लगाने का विकल्प चुना है जो कई अन्य देश भी अपने राष्ट्रीय हित में कर रहे हैं।

भारत ने अपने बयान में अमेरीकी फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए आगे स्पष्ट तौर पर कहा, हम दोहराते हैं कि ये कार्य अनुचित और अविवेकपूर्ण हैं। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को स्वयं मोर्चा संभालते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सख्त संदेश देने का भी प्रयास किया।आईसीएआर पूसा में आयोजित एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरे भाई-बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा। मैं जानता हूं कि व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं। मेरे देश के मछुआरों के लिए, मेरे देश के पशु पालकों के लिए आज भारत तैयार है।

इन तमाम बयानों से यह साफ-साफ नजर आ रहा है कि टैरिफ की यह लड़ाई लंबी खिंचने वाली है। ऐसे में समय की यह मांग कि है भारत अपने राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा करने के साथ-साथ अमेरिका को एक बड़ा झटका भी देने की तरफ बढ़े और यह वैश्विक स्तर पर सामूहिक प्रयासों से ही संभव हो सकता है। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने पहले ही डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका देते हुए यह कह दिया है कि, वह टैरिफ पर बात करने के लिए ट्रंप को कॉल नहीं करेंगे। इसकी बजाय वह भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग जैसे नेताओं के साथ बातचीत करना चाहेंगे। भारत को भी इसी तरह का सख्त स्टैंड लेते हुए बातचीत करने के लिए 25 अगस्त को आ रहे अमेरिकी अधिकारियों का दौरा रद्द कर देना चाहिए। इसी महीने के अंत में जापान और चीन की यात्रा पर जा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चीन, रूस, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और जापान के साथ मिलकर डोनाल्ड ट्रंप को सबक सिखाने की रणनीति बनाने पर काम करना चाहिए। लेकिन ऐसा करते समय, चीनी राष्ट्रपति को यह स्पष्ट तौर पर बता भी देना चाहिए कि ऐसे मौके का फायदा उठाकर अगर चीन की सेना ने भारत-चीन सीमा पर कोई नापाक हरकत की तो इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भारत के लिए सही मायनों में यह आपदा में अवसर का प्रतीक है और अगर हमने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सही तरीके से अपना दांव चला तो भारत को विश्व गुरु बनने से कोई रोक नहीं पाएगा।

(यह लेखक के अपने विचार है)

मानवीय प्रतिबद्धता का युगांतकारी प्रतीक निसार

योगेश कुमार गोयल

श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 30 जुलाई की शाम जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट के माध्यम से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित 'निसार' (नासा-इसरो सिंथेटिक अपरचर रडार) उपग्रह को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया।

यह उपग्रह न केवल एक तकनीकी चमत्कार है, बल्कि विज्ञान, शोध, वैश्विक सहयोग और मानवीय प्रतिबद्धता का युगांतकारी प्रतीक भी है।

'निसार' को सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में 747 किमी. की ऊंचाई पर स्थापित किया गया है, जहां से यह अगले तीन से पांच वर्षों तक निरंतर पृथ्वी की निगरानी करेगा और प्रत्येक 12 दिन में पूरी पृथ्वी का स्कैन करेगा तथा एक बार में 240 किमी. क्षेत्र को कवर करने की अद्वितीय क्षमता रखता है। इस उपग्रह को धरती की गहराइयों और उसकी सतह पर होने वाले बदलावों की सटीक, विस्तृत और सतत निगरानी करने के लिए डिजाइन किया गया है। 'निसार' इसरो और नासा के दस वर्षों के संयुक्त परिश्रम का परिणाम है।

'निसार' उपग्रह की दो प्रमुख विशेषताएं (एल-बैंड और एस-बैंड की दोहरी रडार प्रणाली तथा स्वीपएसएआर तकनीक) इसे अत्याधुनिक उपग्रहों की श्रेणी में खड़ा करती हैं। इस उपग्रह के एल-बैंड रडार को नासा ने विकसित किया है, जो 1.25 गीगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी और 24 सेमी तरंगदैर्ध्य पर काम करता है। यह रडार बर्फ, घने जंगलों और धरती की गहराई में होने वाले परिवर्तनों को मापने में सक्षम है। वहीं इसरो द्वारा विकसित एस-बैंड रडार 3.2 गीगाहर्ट्ज की फ्रीक्वेंसी और 9.3 सेमी तरंगदैर्ध्य पर कार्य करता है, जो सतह पर होने वाली सूक्ष्मतम हलचल को भी दर्ज कर सकता है। इस प्रकार 'निसार' का यह दोहरा रडार सिस्टम भूगर्भीय घटनाओं, प्राकृतिक आपदाओं, वनस्पति परिवर्तनों, कृषि गतिविधियों और मानवजनित प्रभावों की निगरानी के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगा। यह उपग्रह दिन-रात, किसी भी मौसम में, बादलों, अंधकार या घने जंगलों की परवाह किए बिना सतत डेटा एकत्रित करता रहेगा। इसका रिजॉल्यूशन 5 से 10 मीटर के बीच होगा जिससे बड़े क्षेत्र में बहुत सूक्ष्म परिवर्तन भी पकड़ में आएंगे। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन के अनुसार, 'निसार' से मिलने वाला डेटा न केवल भारत और अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया के लिए अमूल्य होगा। उपग्रह प्रति दिन लगभग 80 टेराबाइट डेटा जनरेट करेगा जिसे पूरी तरह ओपन-सोर्स के रूप में मुफ्त में साझा किया जाएगा। इसका लाभ वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, नीति-निर्माताओं, किसानों और आपदा प्रबंधन एजेंसियों को समान रूप से मिलेगा। 'निसार' से संबंधित डेटा कृषि के लिए भी उपयोगी होगा।

यह उपग्रह फसलों की वृद्धि, मिट्टी की नमी, मौसमी प्रभाव, रोग और कीट आक्रमण, और संभावित नुकसान का पूर्वानुमान लगाने में सहायक सिद्ध होगा। इसके माध्यम से सरकारें कृषि बीमा योजनाओं को अधिक वैज्ञानिक, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से लागू कर सकेंगी। पर्यावरणीय क्षेत्र में 'निसार' जलवायु परिवर्तन के प्रभावों की सटीक जानकारी प्रदान करेगा। यह समुद्र स्तर में वृद्धि, बर्फ पिघलने, तटीय कटाव, वनस्पति आवरण में परिवर्तन और भूजल स्तर की निगरानी करेगा। इससे पारिस्थितिक तंत्र की स्थिरता, जैव-विविधता संरक्षण, वनों की स्थिति और मानवजनित प्रभावों का अध्ययन किया जा सकेगा। आपदा प्रबंधन की दृष्टि से भी यह उपग्रह क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। इसके जरिए भूकंप, भूस्खलन, ज्वालामुखी विस्फोट, सुनामी जैसी आपदाओं के प्रारंभिक संकेतों को पहचाना जा सकेगा जिससे समय रहते चेतावनी देकर जान-माल की हानि को कम किया जा सकेगा। भारत और अमेरिका की साझेदारी ने दिखा दिया है कि जब दो राष्ट्र साझा उद्देश्य, पारदर्शिता और वैज्ञानिक उत्कंठा के साथ एकजुट होते हैं, तब विश्व को अभूतपूर्व उपलब्धियां मिलती हैं। 'निसार' के माध्यम से भारत और अमेरिका पूरे ग्रह को एक साथ देखना, समझना और संरक्षित करना सीख रहे हैं। यह मिशन मानवता के भविष्य की रक्षा, पर्यावरण संतुलन के पुनर्निर्माण और पृथ्वी की बदलती धड़कनों को जानने की दिशा में उठाया गया निर्णायक कदम है। यह उपग्रह वैज्ञानिक शोध एवं नवाचार को नई दिशा देने के साथ-साथ नई पीढ़ी को पृथ्वी और पर्यावरण के प्रति अधिक सजग बनाने में भी मदद करेगा। 'निसार' के माध्यम से विश्व को ऐसा शक्तिशाली उपकरण प्राप्त हुआ है, जो धरती की सतह, उसकी परतों, संसाधनों और संकटों को जानने की हमारी क्षमता को व्यापक और सटीक बनाएगा। यह केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि मानवीय चेतना का विस्तार है, ऐसा वैज्ञानिक यंत्र, जो हमारी पृथ्वी की नब्ज को सुन सकेगा और समय रहते बदलावों के प्रति हमें सचेत करेगा। इसीलिए 'निसार' को 'वैश्विक चेतना का उपग्रह' कहा जाना उपयुक्त होगा।

(यह लेखक के अपने विचार है)

बेबुनियादी बातें करना राहुल को शोभा नहीं देता

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को सर्वोच्च न्यायालय ने फटकार लगाते हुए आपराधिक मानहानि के मामले की कार्रवाई पर रोक लगा दी जिस में गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दरम्यान सीमा पर भारतीय व चीनी सैनिकों के बीच झड़पों पर टिप्पणी की थी। अदालत ने सवाल किया आपको कैसे पता चला दो हजार किमी. भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया गया है। कोर्ट ने पूछा कि क्या उनके पास सबूत है या आप वहां थे। अगर आप सच्चे भारतीय होते तो ये सब बातें नहीं करते। पीठ ने राहुल के सोशल मीडिया पर विचार व्यक्त करने पर भी प्रश्न चिह्न लगाया और संसद में अपनी बात रखने को कहा। गांधी का कहना है कि उनके भाषण संबंधी अपराधों के बीस से ज्यादा मामले चल रहे हैं, कई लोग उन्हें फंसाने की फिराक में हैं। गांधी के खिलाफ यह मामला अगस्त, 2023 में लखनऊ मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष की गई थी जिसमें इसी मई में उन्हें सम्मन जारी किया गया था। कांग्रेस नेता का कहना कि उनका उद्देश्य सेना की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाना नहीं था बल्कि यह सरकारी नीतियों की आलोचना थी। इसे उचित कहा जा सकता है मगर जैसा कि अदालत ने कहा, सांसद होने के नाते गांधी को सरकार के कामकाज या नाकामियों पर जो भी सवाल उठाना है, उसे सदन में उठाने से क्यों हिचकते हैं। राहुल की तरफ से कहा गया कि उन्हें सुनवाई का अवसर दिए बगैर ही सम्मन जारी कर दिया गया जबकि यह सुनी-सुनाई बातों व अखबारी कतरनों पर आधारित था। यह कानूनन साबित होने तक साक्ष्य के तौर पर स्वीकार्य नहीं था। बेशक, गांधी के प्रति की गई यह शिकायत राजनीति प्रतिशोध का उदाहरण कहा जा सकता है। इससे न सिर्फ अदालतों का वक्त जाया होता है बल्कि सनसनी फैलाने का काम भी होता है। गांधी को जिम्मदार नेता का परिचय देते हुए अप्रमाणित आरोपों से बचना सीखना होगा। सवाल सेना या सुरक्षा बलों पर आक्षेप लगाने भर की नहीं है। वरिष्ठ नेता के तौर पर बेबुनियादी बातें करना राहुल को शोभा नहीं देता। यह कहना भी अतिश्योक्ति नहीं होगा कि इसी दरम्यान सात साल बाद सीबीआई अदालत ने आप नेता सत्येन्द्र जैन के खिलाफ एक मामले में कोई सबूत न होने की बात स्वीकारी है।

यह न्यायिक व्यवस्था व सत्ताधारी दल की नीयत पर प्रश्न चिह्न लगाता है। राजनीतिक प्रतिशोधों या कीचड़ उछालने वाली राजनीति का यह निम्नतर उदाहरण न बन कर रह जाए, इसका विशेष ख्याल रखा जाना जरूरी है।

संकल्प से सिद्धि

-डा. रविंद्र सिंह भड़वाल

संकल्प से ही सिद्धि संभव है। संकल्प की शक्ति मानव को मानसिक दृढ़ता प्रदान करती है। संकल्प की शक्ति एक ऐसी आध्यात्मिक ऊर्जा है, जो व्यक्ति को आत्मिक विकास के मार्ग पर अग्रसर करती है। हमारे धर्मग्रंथों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहां संकल्प की शक्ति ने असंभव को भी संभव बना दिया। चाहे वह भगीरथ का गंगा को धरती पर लाने का संकल्प हो या सावित्री का अपने पति के प्राण वापस लाने का, संकल्प ने एक अचूक साधन के रूप में कार्य किया। सनातन परंपरा में यह दृढ़ मान्यता रही है कि संकल्प आत्मा की पुकार है, जो परमात्मा तक पहुंचती है। यज्ञ, पूजा, व्रत और तपस्या जैसे धार्मिक कर्मकांडों की शुरुआत संकल्प से होती है। संकल्प द्वारा व्यक्ति अपने उद्देश्य को देवता और सृष्टि के सम्मुख प्रकट करता है, जिससे एक सूक्ष्म ऊर्जा सक्रिय होती है। यह संकल्प ही उसे साधना में स्थिर बनाता है और बाह्य विघ्न-बाधाओं से विचलित नहीं होने देता। धार्मिक जीवन में संकल्प को केवल इच्छा या आकांक्षा नहीं माना गया। यह एक दायित्व की घोषणा होती है। जब कोई साधक कहता है 'मैं अमुक कार्य पूर्ण करूंगा', तो वह उस क्षण से अपने कर्म, चिंतन और ऊर्जा को एक दिशा में निर्देशित कर देता है। यह केंद्रित ऊर्जा ही उसे सामान्य सीमाओं से परे ले जाकर ईश्वरीय शक्ति से जोड़ती है। इसी कारण संकल्प को सिद्धि का साधन माना गया है। आस्था भी संकल्प की नींव है। यदि संकल्प किया गया हो, लेकिन आस्था उसमें नहीं हो, तो वह केवल एक ख्याली इच्छा बनकर रह जाता है। जब व्यक्ति को अपने संकल्प की पूर्णता पर श्रद्धा होती है, तभी वह भीतर से सक्रिय होता है। यह आस्था ही उसके भीतर वह दिव्य शक्ति उत्पन्न करती है, जिससे वह कठिन से कठिन मार्ग पर भी आगे बढ़ता है।

धर्म में आस्था और संकल्प का संबंध वैसे ही है जैसे दीपक में बाती और घी का, दोनों मिलकर प्रकाश उत्पन्न करते हैं। भारतीय संतों और योगियों के जीवन में संकल्प शक्ति के अनेक प्रेरणादायक उदाहरण हैं। तिरुपति बालाजी के निर्माण से लेकर रामकृष्ण परमहंस की साधना तक प्रत्येक उदाहरण यह सिद्ध करता है कि जब संकल्प धर्म के भाव से प्रेरित होता है, तो ईश्वर स्वयं सहायता करते हैं। ऐसे संकल्प केवल व्यक्तिगत नहीं होते, बल्कि समाज और संस्कृति को भी दिशा प्रदान करते हैं। धर्म के अनुसार, संकल्प केवल वर्तमान की योजना नहीं है, वह भविष्य को आकार देने का माध्यम है।

संसद संवाद की बजाय संघर्ष का अखाड़ा कब तक?

ललित गर्ग

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैनर, तख्तियां और नारों की गूंज सुनाई देती है। संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरुआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की। लेकिन यह सत्र भी पुराने ढर्रे पर चल पड़ा, विरोध, स्थगन, नारेबाजी और हंगामे की भेंट चढ़ता लोकतंत्र।

विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता है। इसमें ईवीएम की पारदर्शिता, मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, पेगासस जासूसी, किसानों की समस्याएं और हाल ही में आई बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे मुद्दे भी विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन विपक्ष इन और ऐसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा का माहौल बनाने की बजाय सरकार को घेरने की मानसिकता से ग्रस्त है। संसद की प्रासंगिकता तभी है जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाये। गतिरोध के कारण दर्जनों विधेयक लंबित हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला आरक्षण बिल, वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा, कृषि कानूनों में संशोधन, आदि। ये सब विधेयक केवल कानून नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े ज्वलंत प्रश्न हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, विपक्ष सार्थक बहस से भाग रहा है या बहस में अड़ंगा डाल रहा है। सत्ता पक्ष भी कोई बीच का रास्ता निकालता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। दोनों की यह रस्साकशी देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रही है। कोई भी पक्ष झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं।

विपक्ष चाहता है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराए। लेकिन, सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप्प कराने के लिए। मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदाजा था कि एसआईआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएं हैं। शुरुआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य डॉक्युमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, इसमें कई पेच फंसे हैं। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें। आम नागरिक संसद से समाधान की उम्मीद करता है, न कि शोरशराबा। जब लाखों युवा रोजगार की बाट जोह रहे हैं, किसान कर्ज में डूब रहे हैं, और आमजन महंगाई से त्रस्त है, तब संसद में ठहाके नहीं, तकलीफों की चर्चा जरूरी है। यह सवाल अब बार-बार उठ रहा है कि क्या संसद केवल दिखावटी बन गई है? अगर सरकार विपक्ष को केवल बाधा मानकर चलती है और विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध करता है, तो लोकतंत्र की आत्मा मरती है। जैसाकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, 卐संसद को ठप्प करना आसान है, लेकिन संसद को चलाकर देश की उम्मीदों को साधना ही असली लोकतंत्र है।卐 चुनाव आयोग एसआईआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी उसे माना है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भ्रष्ट वोटरों से चुनी जाने वाली सरकारें भी भ्रष्ट ही होती है। इसलिये चुनाव की इस विसंगति की सफाई होना जरूरी है, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा ताकि संसद का कामकाज सुचारुरूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। लेकिन इसमें विपक्ष का सहयोग भी अपेक्षित होता है, दोनों को अपना यह दायित्व समझना चाहिए।

संसद का हर सत्र, हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। हर व्यवधान लाखों रुपये की बर्बादी है। यह नैतिक रूप से भी चिंताजनक है कि जनप्रतिनिधि बहस से अधिक हंगामे में समय गंवा रहे हैं। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे। विपक्ष भी रचनात्मक विरोध करे, अनावश्यक बहिष्कार से बचे। लोकतंत्र बहस से ही मजबूत होता है, बहिष्कार से नहीं। वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा होनी चाहिए। जरूरी विधेयकों पर बहस होनी चाहिए। संसद को संकल्प का मंच बनना चाहिए, संग्राम का नहीं। जब तक संसद जनहित के सवालों पर गूंजेगी नहीं, तब तक लोकतंत्र अपंग ही रहेगा। जैसा कि डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था-संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, यह राष्ट्र के विवेक की आवाज है।' लेकिन जब यह विवेक ही हंगामे में दब जाए, तो संविधान की आत्मा कराह उठती है। आज जरूरत है कि संसद को नई दिशा, नया दृष्टिकोण और नई मर्यादा मिले। संसद की गरिमा केवल आसनों से नहीं, आचरण से बनती है। संसद में वही नेता दिशा दे सकते हैं, जो अपने निजी या दलगत हित से ऊपर उठकर राष्ट्रहित की सोच रखते हैं। जब तक संसद के सदस्य यह नहीं समझेंगे कि वे जनता के प्रतिनिधि हैं, न कि अपने दल के प्रचारक, तब तक दिशा भटकती रहेगी।

(यह लेखक के अपने विचार है)

सतह से हवा में किया गया अब तक का सबसे बड़ा हमला, एयर चीफ मार्शल ने किए कई खुलासे

बेंगलुरू, 11 अगस्त [एजेंसी]। एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने शनिवार को कहा कि भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान को मार गिराया। उन्होंने इसे भारत द्वारा सतह से हवा में लक्ष्य को मार गिराने का अब तक का सबसे बड़ा रिकार्ड बताया।तीन महीने पहले भारतीय हवाई हमलों के दौरान पाकिस्तान को हुए नुकसान पर यह पहली आधिकारिक टिप्पणी है। कई विपक्षी नेता ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान दोनों को हुए नुकसान की जानकारी सार्वजनिक करने में देरी को लेकर सरकार पर हमला कर रहे हैं।यह ऑपरेशन पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में किया गया था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। एयर चीफ मार्शल एलएम कात्रे स्मृति व्याख्यान को संबोधित करते हुए वायुसेना प्रमुख ने सात मई को सीमा के पास और पाकिस्तान के अंदर आतंकवादी मुख्यालयों और अन्य आतंकी ठिकानों पर हुए हमलों का विस्तृत विवरण भी प्रस्तुत किया।उन्होंने कहा, पाकिस्तान के कम-से-कम पांच लड़ाकू विमानों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। इसके अलावा एक बड़ा विमान, जो निगरानी विमान हो सकता है, लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से मार गिराया गया। यह वास्तव

में सतह से हवा में किया गया अब तक का सबसे बड़ा हमला है।उन्होंने यह भी कहा कि हैंगर में कम से कम एक ध्वस्त (एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम) और कुछ एफ-16 विमान होने का संकेत मिला है, जिन्हें नुकसान पहुंचाया गया था। इनकी वहां मरम्मत की जा रही है।इस अभियान के परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में यूएवी, ड्रोन और उनकी कुछ मिसाइलें भारतीय क्षेत्र में गिरीं। लेकिन, भारतीय प्रतिष्ठानों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। स्लाइड शो के दौरान उन्होंने एडब्ल्यूसी हैंगर के दृश्य दिखाए, जो भारतीय हमले के बाद ध्वस्त हो गया था। पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस के बारे में वायुसेना प्रमुख ने कहा कि हम अपनी वायुसेना में ऐसे ही दिनों के सपने देखते हुए बड़े हुए हैं। संयोग से मुझे अपनी सेवानिवृत्ति से पहले यह मौका मिल गया। हमने उस एयरफील्ड पर हमला किया, जहां हमें एफ-16 विमानों के बारे में बहुत पुख्ता जानकारी मिली थी।राजनीतिक इच्छाशक्ति को ऑपरेशन की सफलता के पीछे एक प्रमुख कारण बताते हुए सिंह ने कहा कि मैं यहां बहुत स्पष्टता..बहुत खुलापन दिखा रहा हूं, क्योंकि मैंने इसके बारे में कई तरह की बातें सुनी हैं। अगर मैं आपको कुछ बताऊं, तो लोगों को उस पर यकीन करना ही होगा, क्योंकि मैं वहां मौजूद था। सबकी बातें सुन रहा था। बहुत स्पष्ट राजनीतिक इच्छाशक्ति थी। हमें बहुत स्पष्ट निर्देश दिए गए थे और किसी भी तरह की पाबंदियां नहीं लगाई गई थीं। वायुसेना प्रमुख की यह टिप्पणी वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित विपक्षी नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री और सरकार पर उस समय संघर्ष विराम पर सहमति जताने की पृष्ठभूमि में आई है, जब हमारी सेना पाकिस्तान पर भारी पड़ रही थी।वायुसेना प्रमुख ने संघर्ष को समाप्त करने के महत्व पर भी जोर दिया। कहा कि हमारा उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट था। हमारा उद्देश्य आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाना था कि वे कुछ भी करने से पहले दो बार सोचेंगे। अब उन्हें पता है कि उन्हें इसकी क्या कीमत चुकानी पड़ सकती है और एक बार जब हम अपने उद्देश्यों को प्राप्त कर लें, तो हमें इसे जारी रखने के बजाय इसे रोकने के अवसरों की तलाश करनी चाहिए।उन्होंने रूस निर्मित एस-400 मिसाइल प्रणाली को गेम-चेंजर बताया और कहा कि पाकिस्तान इस प्रणाली को भेदने में सक्षम नहीं है। इस प्रणाली की मारक क्षमता ने पाकिस्तान के विमानों और यूएवी को भारतीय रक्षा प्रणाली से दूर रखा था। एस-400 प्रणाली की वजह से पाकिस्तान भारतीय वायु रक्षा प्रणाली को भेदने में सक्षम नहीं है।पुलवामा आतंकी हमले के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक के बारे में बात करते हुए सिंह ने कहा कि उसकी कोई तस्वीर उपलब्ध नहीं थी और यह एक बड़ा मुद्दा बन गया था। दुर्भाग्य से हम अपने ही लोगों को नहीं बता पाए कि हमने क्या हासिल किया है। हमारे पास खुफिया जानकारी थी कि भारी नुकसान हुआ है।बहुत सारे आतंकवादी मारे गए थे। लेकिन, हम अपने ही लोगों को यकीन नहीं दिला पाए। लेकिन (इस बार) हम भाग्यशाली रहे और ये वीडियो हमारे सामने आ गए। मुझे खुशी है कि हम बालाकोट के उस भूत को खत्म कर पाए।

भारत के खिलाफ एक्शन लेकर पाक ने मार ली अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी

नईदिल्ली, 11 अगस्त [एजेंसी]। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देकर पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब दिया था। इस सैन्य कार्रवाई के बाद पाकिस्तान पूरी तरह बौखला उठा।पड़ोसी मुल्क ने न सिर्फ भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की बल्कि उसने भारतीय विमानों के लिए अपना एअरस्पेस भी बंद कर दिया। हालांकि, ऐसा करके उसने अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली। दरअसल, भारतीय विमानों के लिए अपने एअरस्पेस को बंद किए जाने के बाद पाकिस्तान को महज दो महीने में तकरीबन 14.39 मिलियन डॉलर यानी (करीब 4.1 अरब रुपये) का नुकसान हुआ है। पहलगाम हमले के बाद भारत ने कुछ कड़े फैसले लिए थे। इन फैसलों में सिंधु जल समझौते को स्थगित करना भी था। 24 अप्रैल 2025 को मोदी

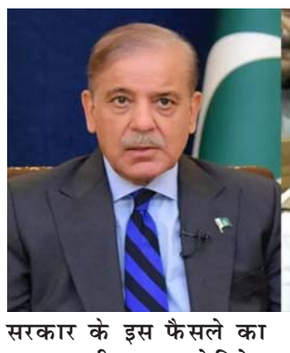

सरकार के इस फैसले का शहबाज शरीफ सरकार ने विरोध किया है। गुस्से में आकर पाकिस्तान ने अगले ही दिन भारतीय एअरलाइंस और भारतीयों द्वारा संचालित सभी विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया। पाकिस्तान के इस फैसले से रोजाना करीब 150 भारतीय विमानों पर असर पड़ा। पाकिस्तान से गुजरने वाला ट्रांजिट ट्रैफिक करीब 20 फीसदी घट गया।पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने संसद को बताया कि हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगाने के फैसले संघीय सरकार के अधिकार क्षेत्र में आते हैं और ये नोटिस टू एयरमैन के जरिए जारी किए जाते हैं। अखबार डॉन के हवाले से बयान में कहा गया है, हालांकि वित्तीय नुकसान होता है, लेकिन संप्रभुता और राष्ट्रीय रक्षा आर्थिक कारणों से ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। मंत्रालय ने दोहराया कि पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र को संभावित खतरों से बचाना राजस्व के नुकसान से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है।

सबूत दें या देश से माफी मांगें, वोट चोरी के आरोपों पर राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव आयोग सख्त

नई दिल्ली, 11 अगस्त [एजेंसी]। चुनाव आयोग ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को एक बार फिर चेतावनी दी है कि मतदाता सूचियों के संबंध में लगाए गए आरोपों के समर्थन में वे शपथ पत्र दें या झूठे आरोपों के लिए देश से माफी मांगें।आयोग के सूत्रों के मुताबिक यदि राहुल गांधी घोषणा पर हस्ताक्षर नहीं करते हैं, तो इसका मतलब होगा कि वे अपने आरोपों के प्रति दृढ़ नहीं हैं। यदि वे अपने आरोपों में विश्वास करते हैं, तो उन्हें घोषणा पर हस्ताक्षर करने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। हालांकि सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी के दावे पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार खुद असहज हो गई है क्योंकि

महत्वपूर्ण जाति जनगणना नीति के लिए वे मतदाता सूची पर ही निर्भर हैं।इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि राज्य की तरफ से केपीसीसी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तरफ से केंद्रीय चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई जाएगी। चुनाव आयोग जो चाहे कह सकता है, लेकिन हम नियमों के तहत ही काम करेंगे। राहुल ने क्या कहा था राहुल गांधी ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया था कि भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए चुनाव आयोग ने 2024 के लोकसभा चुनावों को कोरियोग्राफ किया था। उन्होंने कर्नाटक में कांग्रेस की हार का हवाला देते हुए कहा था कि पार्टी को 16 सीटें जीतने की उम्मीद थी, लेकिन वे केवल नौ सीटें ही जीत सके। राहुल गांधी ने कहा था कि वोटों की चोरी पांच अलग-अलग तरीकों से की गई। इसमें डुप्लिकेट मतदाता, फर्जी और अमान्य पते, और एक ही पते पर एकत्रित मतदाता शामिल हैं। उन्होंने कहा था कि एक ही पते पर 50-60 लोगों के वोटर कार्ड पाए गए, जबकि वहां केवल एक ही परिवार रह रहा था।बिहार में मतदाता सूची के मसौदे को प्रकाशित हुए 9 दिन से ज्यादा हो चुके हैं,
लेकिन एक भी राजनीतिक दल चुनाव आयोग के सामने आपत्ति दर्ज कराने के लिए आगे नहीं आया है। वहीं सूची में सुधार के लिए 7252 लोग आयोग से अपनी शिकायत कर चुके हैं।आयोग के मुताबिक एक सितंबर तक आपत्तियां और दावे स्वीकार किए जाएंगे। ये मसौदा आयोग की तरफ से चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (सर) का हिस्सा है।यदि वे अपने आरोपों में विश्वास करते हैं, तो उन्हें घोषणा पर हस्ताक्षर करने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। हालांकि सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी के दावे पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार खुद असहज हो गई है क्योंकि महत्वपूर्ण जाति जनगणना नीति के लिए वे मतदाता सूची पर ही निर्भर हैं।इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि राज्य की तरफ से केपीसीसी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तरफ से केंद्रीय चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई जाएगी।

भारतीय किसानों पर आफत ट्रंप का टैरिफ, मगर पाकिस्तानडु की मौज

नई दिल्ली, 11 अगस्त [एजेंसी]।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय बासमती चावल पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है, जो पहले से लागू 25 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ के ऊपर है। जिससे कुल टैक्स अब 50 प्रतिशत हो गया है। इस फैसले से भारतीय बासमती चावल अमेरिका में महंगा हो जाएगा और पाकिस्तान को इससे फायदा मिलेगा, क्योंकि वहां से आने वाली बासमती पर केवल 19 प्रतिशत टैरिफ लगता है।

पिछले 10 सालों में भारत ने की ऐतिहासिक प्रगति ब्राजील ने पीएम मोदी को लेकर भी कही बड़ी बात

नईदिल्ली, 11 अगस्त [एजेंसी]।भारत की प्रगति का पुरजोर समर्थन करते हुए भारत में ब्राजील के राजदूत केनेथ फेलिक्स दा नोब्रेगा ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की और पिछले एक दशक में देश के आर्थिक और सामाजिक, दोनों ही क्षेत्रों में हुए विकास को शानदार बताया। उन्होंने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की ब्राजील यात्रा को मील का पत्थर बताया। विशेष बातचीत में राजदूत दा नोब्रेगा ने कहा कि भारत का मूल्यांकन करना ब्राजील का काम नहीं है, लेकिन पिछले 10 वर्षों में हमने जो देखा है वह वाकई शानदार विकास है। बेशक, हम कोई फ़ैसला नहीं सुना सकते हैं, लेकिन प्रगति स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि अगर मैं गलत नहीं हूं तो पिछले 20 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की ये पहली ब्राजील यात्रा है। उन्होंने कहा कि रक्षा, ऊर्जा, दवा, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में भारत और

ब्राजील साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं। पिछले दो वर्षों में ब्राजील से 77 कारोबारी प्रतिनिधिमंडल ने भारत का दौरा किया, जबकि भारत से 40 मिशन ने ब्राजील में संभावनाएं टटोलीं।

दिल्ली में भारी बारिश का असर हवाई उड़ानों पर, आईजीआई एयरपोर्ट से ३ से अधिक फ्लाइट्स में हुई देरी

नईदिल्ली, 11 अगस्त [एजेंसी]। राजधानी दिल्ली में शनिवार को भारी बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। वहीं खराब मौसम के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर 300 से अधिक उड़ानों में देरी हुई। एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर भारी बारिश के कारण किसी भी उड़ान का मार्ग परिवर्तित नहीं किया गया।शनिवार तड़के से हो रही वर्षा का असर आईजीआई एयरपोर्ट से संचालित होने वाली उड़ानों पर देखा गया। प्रस्थान से जुड़ी 63 प्रतिशत उड़ानें विलंबित रहीं। इनमें करीब करीब एक तिहाई उड़ानें ऐसी थीं, एयरलाइंस से यात्रियों से कहा कि वर्षा के कारण दिल्ली की सड़कों पर जाम व जलभराव के कारण एयरपोर्ट तक का सफर लंबा हो सकता है, लिहाजा अतिरिक्त समय लेकर चलें। एअर इंडिया एक्सप्रेस की एक उड़ान को शनिवार को फिर डाइवर्जन का सामना करना पड़ा। इसकी वजह हिंडन एयरपोर्ट के बे एरिया में पार्किंग के लिए विमान को जगह नहीं मिलना रहा। बाद में एटीसी की अनुमति से विमान ने आइजीआइ एयरपोर्ट से लैंडिंग की। विमान को वाराणसी से हिंडन के बीच की यात्रा करनी थी। आईजीआई एयरपोर्ट पर लैंडिंग के बाद यात्री बस से हिंडन के लिए रवाना हुए। उड़ान संख्या आईएक्स2978 से जुड़े इस प्रकरण को एक यात्री एक्स पर साझा करते हुए अपनी नाराजगी जताई। बाद में एअर इंडिया एक्सप्रेस ने अपने हैंडल से इसपर खेद प्रकट किया। जिनके प्रस्थान में एक घंटा या इससे अधिक का विलंब दर्ज किया गया। विलंबित उड़ानों में औसत विलंब का समय करीब 20 मिनट रहा।वहीं आगमन की बात करें तो करीब 20 प्रतिशत उड़ानें विलंब की चपेट में आईं। औसत विलंब के मामले में यहां प्रस्थान के मुकाबले स्थिति बेहतर रही। यहां औसत विलंब करीब पांच मिनट दर्ज किया गया।उधर मौसम को देखते हुए सभी प्रमुख एयरलाइंस की ओर से इंटरनेट मीडिया पर यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी होती रही। सभी एयरलाइंस ने यात्रियों से कहा कि वे एयरपोर्ट के लिए रवाना होने से पहले एक बार उड़ान की जानकारी ले लें।

एयरलाइंस से यात्रियों से कहा कि वर्षा के कारण दिल्ली की सड़कों पर जाम व जलभराव के कारण एयरपोर्ट तक का सफर लंबा हो सकता है, लिहाजा अतिरिक्त समय लेकर चलें। एअर इंडिया एक्सप्रेस की एक उड़ान को शनिवार को फिर डाइवर्जन का सामना करना पड़ा। इसकी वजह हिंडन एयरपोर्ट के बे एरिया में पार्किंग के लिए विमान को जगह नहीं मिलना रहा। बाद में एटीसी की अनुमति से विमान ने आइजीआइ एयरपोर्ट से लैंडिंग की। विमान को वाराणसी से हिंडन के बीच की यात्रा करनी थी। आईजीआई एयरपोर्ट पर लैंडिंग के बाद यात्री बस से हिंडन के लिए रवाना हुए।

राजस्थान के माउंट आबू में भूकंप के झटके, दहशत में घरों से बाहर निकले लोग

जयपुर,11 अगस्त (एजेंसी)। राजस्थान के पर्वतीय पर्यटन स्थल माउंटआबू और इसके आसपास के गांवों में शनिवार रात नौ बजकर तीन मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। अचानक झटके से दहशत में लोग घरों से बाहर आ गए। उपखंड अधिकारी अंशु प्रिया ने कहा कि भूकंप के झटकों से किसी प्रकार के नुकसान की जानकारी नहीं है। फिलहाल भूकंप की तीव्रता की जानकारी नहीं मिल सकी है। उल्लेखनीय है कि इसके पहले प्रतापगढ़ जिले में गुरुवार सुबह भूकंप के झटकों ने लोगों को हिला कर रख दिया था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.9 मापी गई थी। इसका केंद्र प्रतापगढ़ में जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया गया था।पेपर लीक में पूर्व सीएम अशोक गहलोत का पीएसओ गिरफ्तार, बेटे के लिए खरीदा था प्रश्नपत्र जयपुर। राजस्थान में एसओजी ने एसआई भर्ती-2021 के पेपर लीक मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पर्सनल सिक्योरिटी आफिसर (पीएसओ) राजकुमार यादव और उसके बेटे भरत यादव को गिरफ्तार किया है। दोनों को पूछताछ के लिए तीन दिनों के रिमांड पर लिया गया है। उधर, गहलोत ने इंटनरेट मीडिया पर कहा है कि यदि कोई व्यक्ति अपराध में संलिप्त है तो कानून को अपना काम करना चाहिए। जांच में पता चला है कि राजकुमार ने गहलोत के मुख्यमंत्री रहते अधिकारियों पर दबाव डालकर बेटे के लिए परीक्षा का पेपर हासिल किया था, जिससे वह पास हुआ।प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया कि फिजिकल टेस्ट में फेल होने के बाद उसने बेटे को इसमें भी फर्जीवाड़े से पास करवाया। उल्लेखनीय है कि एसआई भर्ती-2021 में 859 पदों के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी। इसके पेपर लीक मामले में अब तक 44 प्रशिक्षु एसआई, राजस्थान लोकसेवा आयोग के पूर्व सदस्य रामूराम रायका और पेपर लीक गिरोह के 30 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

पुतिन-ट्रंप की मुलाकात का भारत ने किया स्वागत, क्या मिलेगी भारी टैरिफ से राहत

नईदिल्ली, 11 अगस्त [एजेंसी]। 15 अगस्त को अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच होने वाली मुलाकात का भारत ने स्वागत किया है। भारत ने यह भी कहा है कि वह अपने स्तर पर इस बैठक में मदद करने को तैयार है। भारत का यह बयान पीएम नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच टेलीफोन पर हुई वार्ता के बाद आया है। दोनों नेताओं के बीच शुक्रवार को टेलीफोन पर बात हुई थी। उसी दिन अमेरिका और रूस में सहमति बनी थी कि उनके नेताओं के बीच यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए आमने-सामने बैठक होगी।अमेरिका और रूस के बीच यूक्रेन विवाद को लेकर बनी सहमति का असर अमेरिका की तरफ से उस पर लगाए गए शुल्क पर भी होगा। ऐसी सहमति के बाद भारत पर रूसी तेल खरीदने की वजह से लागू ट्रंप का 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ हटने का रास्ता साफ हो जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर पहले 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क लगाया। इसके बाद रूस से तेल खरीदने का आरोप लगाते हुए 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया। भारत ने इन दोनों फैसलों का बेहद कड़े शब्दों में प्रतिकार किया।रूस से तेल खरीदने को लेकर लगाए गए शुल्क से संबंधित जिस अध्यादेश पर राष्ट्रपति ट्रंप ने हस्ताक्षर किया है, उसमें इस बात का उल्लेख है कि रूस और अमेरिका के बीच सामंजस्य बनने की स्थिति में अतिरिक्त शुल्क में संशोधन किया जा सकता है। अमेरिका से व्यापार वार्ता के दौरान भारत ने ट्रंप प्रशासन के किसी दबाव के आगे घुटने नहीं टेका है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि अलास्का

में 15 अगस्त की बैठक के लिए अमेरिका और रूस के बीच बनी सहमति का हम स्वागत करते हैं। यह बैठक यूक्रेन में जारी विवाद को समाप्त करने और शांति की राह खोलने की उम्मीद जगाता है। जैसा कि पीएम नरेन्द्र मोदी ने कई बार कहा है कि यह युद्ध का समय नहीं है। इसलिए भारत इस बैठक का स्वागत करता है और अपनी तरफ से इस कोशिश में मदद करने को तैयार है। सनद रहे कि एक दिन पहले ही पुतिन ने मोदी से बात की थी और उन्हें यूक्रेन विवाद की ताजा स्थिति पर जानकारी दी थी। यूक्रेन और रूस के बीच फरवरी, 2022 से युद्ध हो रहा है और भारत तभी से इसका समाधान कूटनीति और बातचीत से करने का समर्थक रहा है। पीएम मोदी विश्व के एकमात्र नेता हैं, जो राष्ट्रपति पुतिन के साथ ही यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदोमीर जेलेंस्की के साथ भी संपर्क में हैं। मोदी ने पिछले वर्ष रूस की यात्रा के बाद यूक्रेन की भी यात्रा की थी। इसके बावजूद राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर आरोप लगाया है कि वह रूसी तेल खरीद कर पुतिन सरकार को धन दे रहे हैं, ताकि वह यूक्रेन पर हमला करे। दूसरी तरफ भारत का कहना है कि अमेरिका और पश्चिमी देशों का यह आरोप असंगत और अन्यायपूर्ण है। खुद अमेरिका और यूरोपीय देश अपनी जरूरत की चीजें रूस से खरीद रहे हैं, जबकि भारत को उपदेश दे रहे हैं। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने भारत से आग्रह किया है कि वह यूक्रेन युद्ध समाप्त करने में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मदद के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करे। उन्होंने यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बातचीत के कुछ ही घंटों बाद कही।

ग्राहम ने कहा कि यह वाशिंगटन और दिल्ली के बीच संबंधों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर लिखा- जैसा कि मैं भारत में अपने दोस्तों से कहता रहा हूं, भारत-अमेरिका संबंधों को बेहतर बनाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण काम जो वे कर सकते हैं, वह है यूक्रेन में रक्तपात को समाप्त करने में राष्ट्रपति ट्रंप की मदद करना। भारत रूस से सस्ते तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है, जो पुतिन की युद्ध मशीन को ईंधन देता है।भारत ने इन दोनों फैसलों का बेहद कड़े शब्दों में प्रतिकार किया।रूस से तेल खरीदने को लेकर लगाए गए शुल्क से संबंधित जिस अध्यादेश पर राष्ट्रपति ट्रंप ने हस्ताक्षर किया है, उसमें इस बात का उल्लेख है कि रूस और अमेरिका के बीच सामंजस्य बनने की स्थिति में अतिरिक्त शुल्क में संशोधन किया जा सकता है।

पेपर लीक में पूर्व सीएम अशोक गहलोत का पीएसओ गिरफ्तार, बेटे के लिए खरीदा था प्रश्नपत्र

जयपुर,11 अगसत(एजेंसी)। राजस्थान में एसओजी ने एसआई भर्ती-2021 के पेपर लीक मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पर्सनल सिक्योरिटी आफिसर (पीएसओ) राजकुमार यादव और उसके बेटे भरत यादव को गिरफ्तार किया है। दोनों को पूछताछ के लिए तीन दिनों के रिमांड पर लिया गया है। उधर, गहलोत ने इंटनरेट मीडिया पर कहा है कि यदि कोई व्यक्ति अपराध में संलिप्त है तो कानून को अपना काम करना चाहिए। जांच में पता चला है कि राजकुमार ने गहलोत के मुख्यमंत्री रहते अधिकारियों पर दबाव डालकर बेटे के लिए परीक्षा का पेपर हासिल किया था, जिससे वह पास हुआ।प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया कि फिजिकल टेस्ट में फेल होने के बाद उसने बेटे को इसमें भी फर्जीवाड़े से पास करवाया। उल्लेखनीय है कि एसआई भर्ती-2021 में 859 पदों के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी। इसके पेपर लीक मामले में अब तक 44 प्रशिक्षु एसआई, राजस्थान लोकसेवा आयोग के पूर्व सदस्य रामूराम रायका और पेपर लीक गिरोह के 30 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।जांच में पता चला है कि राजकुमार ने गहलोत के मुख्यमंत्री रहते अधिकारियों पर दबाव डालकर बेटे के लिए परीक्षा का पेपर हासिल किया था, जिससे वह पास हुआ।प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया कि फिजिकल टेस्ट में फेल होने के बाद उसने बेटे को इसमें भी फर्जीवाड़े से पास करवाया।

महंगे गिफ्ट और विदेशी मुद्रा भेजने के नाम पर महिलाओं से ऑनलाइन ठगी, तीन अंतरराष्ट्रीय ठग दिल्ली से गिरफ्तार

रायपुर, 11 अगस्त (एजेंसी)। विदेश से महंगे गिफ्ट और विदेशी मुद्रा भेजने के नाम पर महिलाओं से ऑनलाइन ठगी करने वाले अंतरराष्ट्रीय साइबर ठग गिरोह को राजनांदगांव पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस ने दो नाइजीरियन और एक दक्षिण अफ्रीकी को नई दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों को द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली से ट्रांजिट रिमांड पर राजनांदगांव लाया गया। आरोपियों के कब्जे से ठगी में इस्तेमाल किए गए 2 लैपटॉप, 14 एंड्रॉयड मोबाइल, 6 की-पैड मोबाइल, 5 बंद मोबाइल (कुल 25 मोबाइल), 5 एटीएम कार्ड और 32 सिम कार्ड जब्त किए गए। बता दें कि एक युवती ने पुलिस चौकी चिचोला, थाना छुरिया में शिकायत दर्ज कराई थी कि स्नैपचैट पर (ष्ठह्मद्गठ्ठस्त्रह्रद्बष्द्म24 और ष्ध्द्यद्यद्बठ्ठह्य द्यद्गश्25) के नाम पर फर्जी अकाउंट्स बनाकर कुछ लोगों ने उससे दोस्ती की और स्वयं को आर्थिक रूप से समृद्ध विदेशी नागरिक बताकर उसे विदेश से महंगे गिफ्ट और पाउंड मुद्रा भेजने का झांसा दिया। इसके बाद, एयरपोर्ट कस्टम ऑफिस में पार्सल पकड़े जाने का बहाना बनाकर कथित कस्टम क्लीयरेंस के लिए युवती से अलग अलग समय पर 1,23,700 रुपये रूपये ठग लिये। ठगे जाने का एहसास होने पर युवती ने मामले की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर पुलिस चौकी चिचोला, थाना छुरिया में धारा 318(4), 3(5) बीएनएस और 66(सी), 66(डी) आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया गया। तथा वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर साइबर सेल प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। साइबर सेल ने स्नैपचैट अकाउंट्स का तकनीकी विश्लेषण कर आरोपियों की लोकेशन उत्तम नगर, नई दिल्ली में ट्रेस किया गया। जिसके बाद राजनांदगांव पुलिस ने थाना डाबरी, दिल्ली पुलिस के सहयोग से चाणक्य पैलेस, जनकपुरी और उत्तम नगर में छापेमारी कर तीन आरोपियों को 5 अगस्त 2025 को गिरफ्तार किया। जिनकी पहचान स्टीफन उर्फलकी, डेडन उम्र (30 वर्ष), स्थायी पता- अमिनबो, आइवरी कोस्ट (दक्षिण अफ्रीका), वर्तमान पता- चाणक्य पैलेस, जनकपुरी, नई दिल्ली, किंग्सले (35 वर्ष), स्थायी पता- ओग्वु, अनंबरा, नाइजीरिया, वर्तमान पता- चाणक्य पैलेस, जनकपुरी, नई दिल्ली तथा जॉर्ज चुक्कुमेका स्थायी पता- ओनित्शा, असाबा, नाइजीरिया, वर्तमान पता - ओम विहार, उत्तम नगर, नई दिल्ली को गिरफ्तार कर राजनांदगांव लाया गया।

शहर में तीन अलग-अलग स्थानों में चोरी करने वाले चार आरोपित गिरफ्तार

जगदलपुर, 11 अगस्त (एजेंसी)। बस्तर जिले के पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के नेतृत्व में अपराधिक तत्वों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही के तारतम्य में जगदलपुर शहर में तीन अलग-अलग स्थानों में चोरी करने वाले चार आरोपियों 1.अभय मसीह उर्फ़ भेड़ पिता शांत कुमार उम्र 23 वर्ष निवासी गांधी नगर वार्ड जगदलपुर, 2. अनमोल वासनिक पिता स्व किशोर वासनिक उम्र 24 वर्ष निवासी नयामुण्डा मदर टेरेसा वार्ड जगदलपुर, 3. सिदार्थ वासनिक पिता किशोर वासनिक उम्र 25 वर्ष निवासी नया मुंडा जगदलपुर, 4. अंकित पीटर पिता नितिन पीटर उम्र 22 वर्ष निवासी मदन मोहन मालवीय वार्ड जगदलपुर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरओपियों के कब्जे से दो नग सोने का बड़ा एयरिंग सहित 6 नग एयरिंग, एक नग सोने का लंबा मंगलसूत्र, एक नग सोने का हार व कान का सेट, एक नग डायमंड अंगूठी, एक नग सोने की अंगूठी, एक नग चांदी की बिछिया, नगदी रकम 5 हजार रुपया, एक सुजुकी एक्सेस स्कूटी क्रमांक सीजी 17 केव्ही 1688, एक लैपटॉप, एक नग इंडियन गैस सिलेंडर, पल्सर मोटर सायकल को विभिन्न जगहों आरोपियों के मेमोरेंडम मुताबिक बरामद तथा जप्त कर उक्त आदतन आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही उपरांत न्यायिक अभिरक्षा हेतु न्यायालय भेजा गया है।थाना बोधघाट पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थीया शीतल कुशवाहा पति शैलेन्द्र कुशवाहा निवासी शांति नगर वार्ड जगदलपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 23 जुलाई को वह अपने पति का ईलाज कराने के लिए रायपुर गई थी, इसी दौरान 27 जुलाई को अज्ञात व्यक्ति द्वारा घर का दरवाजा तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात, डायमंड रिंग, नगदी रकम जुमला 1 लाख 90 हजार को अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर ले गया है। इसी तरह पी नागराजन पिता पी नागराजन पिल्लाई के द्वारा उसके गायत्री नगर में स्थित मकान से 26 जुलाई को अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराया गया। इसी तरह से प्रार्थी बुकया मालेश पिता पी कोड़िमियाल के द्वारा उसके निवास स्थान शांति नगर से एक लैपटॉप व इंडियन गैस सिलेंडर को अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराया गया। रिपोर्ट पर तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर वरिष्ठ अधिकारियों के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बोधघाट लीलाधर राठौर के नेतृत्व में कार्यवाही हेतु टीम तैयार किया गया, उक्त टीम के द्वारा आस-पास के लोगो से पूछताछ करते हुए, घटना स्थान के आसपास लगे सीसीटीव्ही कैमरा एवं अन्य तकनीकियों का सहायता के आधार पर बोधघाट क्षेत्रांतर्गत रहने वाले चोरी के मामलों में रहने वाले आदतन संदेही 1.अभय मसीह उर्फ भेड पिता शांत कुमार 2. अनमोल वासनिक पिता किशोर वासनिक, 3. सिद्धार्थ वासनिक उर्फ सिद्धू पिता किशोर वासनिक, 4. आदित्य उर्फअंकित पीटर पिता नितिन पीटर को हिरासत में लेकर पूछ-ताछ किया गया, सभी के द्वारा अपने एक अन्य साथी दशरथ उर्फबीनू पिता शरद सिंह जो एक दिन पूर्व नशीली दवाई बिक्री करते पकड़े गया है के साथ मिलकर चोरी करना तथा चोरी के सामान को आपस में बांट लेना कबूल किया है।थाना बोधघाट पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थीया शीतल कुशवाहा पति शैलेन्द्र कुशवाहा निवासी शांति नगर वार्ड जगदलपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 23 जुलाई को वह अपने पति का ईलाज कराने के लिए रायपुर गई थी, इसी दौरान 27 जुलाई को अज्ञात व्यक्ति द्वारा घर का दरवाजा तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात, डायमंड रिंग, नगदी रकम जुमला 1 लाख 90 हजार को अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर ले गया है। इसी तरह पी नागराजन पिता पी नागराजन पिल्लाई के द्वारा उसके गायत्री नगर में स्थित मकान से 26 जुलाई को अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराया गया। इसी तरह से प्रार्थी बुकया मालेश पिता पी कोड़िमियाल के द्वारा उसके निवास स्थान शांति नगर से एक लैपटॉप व इंडियन गैस सिलेंडर को अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराया गया।

मछली बीज उत्पादन में आत्मनिर्भरता की राह पर बस्तर

जगदलपुर, 11 अगस्त (एजेंसी)। बस्तर जिले में मछली पालन विभाग द्वारा संचालित शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्रों और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से मछली पालन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हासिल की गई है। इससे स्थानीय मछुआरों और किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त भी किया जा रहा है। बस्तर जिला मछली बीज उत्पादन में भी आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ रहा है। जिले में मछली पालन विभाग द्वारा मछली बीज उत्पादन के लिए दो प्रमुख केंद्र संचालित हैं। मत्स्य बीज प्रक्षेत्र बालेंगा और मोती तालाब मत्स्य बीज प्रक्षेत्र जगदलपुर। इन दोनों इकाइयों ने मत्स्य बीज उत्पादन में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वर्ष 2024-25 में, बालेंगा केंद्र ने 8 करोड़ स्पान मछली बीज का उत्पादन करके अपने लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त किया। इसके साथ ही 60 लाख 32 हजार स्टैंडर्ड फ्राय का भी उत्पादन किया गया, जो लक्ष्य 60 लाख से अधिक रहा। यह उत्पादित मछली बीज जिले के मत्स्य पालकों को उनके तालाबों में पालन के लिए वितरित किया गया। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में भी बालेंगा हैचरी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा है, जिसमें 8 करोड़ 32 लाख स्पान का उत्पादन किया गया है, जबकि लक्ष्य 9 करोड़ था। इसके अलावा, 2 लाख 32 हजार स्टैंडर्ड फ्राय का भी वितरण किया गया है। मोती तालाब मत्स्य बीज प्रक्षेत्र जगदलपुर ने भी वर्ष 2024-25 में 2 करोड़ 06 लाख 2 हजार 860 स्टैंडर्ड फ्राय का उत्पादन और वितरण करके अपने लक्ष्य 1 करोड़ 80 लाख को पार कर लिया। वित्तीय वर्ष 2025-26 में भी इस केंद्र से मछली बीज वितरण का कार्य प्रगति पर है और अब तक 60 लाख स्टैंडर्ड फ्राय वितरित किए जा चुके हैं। फिंगरलिंग मत्स्य बीज संचयन योजना के तहत भी मत्स्य पालकों को प्रक्षेत्रों से मछली बीज का वितरण लगातार जारी है।

मछली पालन विभाग विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों और मछुआरों को मछली पालन के लिए प्रोत्साहित कर रहा है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है।यह योजना निजी मत्स्य बीज उत्पादन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। विभाग मौसमी तालाबों में मछली बीज उत्पादन के लिए किसानों को शत-प्रतिशत अनुदान पर स्पान (मछली बीज) और अनुपूरक आहार सामग्री प्रदान करता है। इससे किसानों को अपने तालाबों में मछली बीज तैयार कर उन्हें बेचकर आर्थिक लाभ कमाने का अवसर मिलता है। वर्ष 2024-25 में 15 कृषकों को इस योजना से लाभ हुआ था, और इस वित्तीय वर्ष में 17 कृषकों को लाभान्वित किया गया है, जो योजना की बढ़ती लोकप्रियता और प्रभावशीलता को दर्शाता है।इस महत्वपूर्ण योजना के तहत, सभी वर्गों के मछुआरे जो निजी या पट्टे पर लिए गए 1.00 हेक्टेयर से 10.00 हेक्टेयर तक के तालाबों में मत्स्य बीज अंगुलिका संचयन कर अधिक मत्स्य उत्पादन करना चाहते हैं, उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। प्रति हितग्राही को आगामी पांच वर्षों तक प्रति वर्ष चार हजार रुपए के व्यय पर दो हजार रुपए का अनुदान दिया जाता है, जबकि दो हजार रुपए कृषक का अंशदान होता है। इस योजना में कृषक को पैकिंग सहित पांच हजार नग मत्स्य बीज प्रदान किए जाते हैं। वर्ष 2024-25 में 796 मत्स्य पालकों को 1 करोड़ 5 लाख 96 हजार मछली बीज प्रदान किया गया। इस वित्तीय वर्ष में एक है हजार इकाई मत्स्य बीज वितरण का लक्ष्य रखा गया है।

इन सफलताओं के साथ बस्तर जिला मछली पालन के क्षेत्र में एक अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिससे न केवल खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है।

नारियल विकास बोर्ड कोंडागांव में मिल रहा मात्र 10 रुपए में नारियल

जगदलपुर, 11 अगस्त (एजेंसी)। कोंडागांव जिले का इकलौता नारियल विकास बोर्ड कोंडागांव में संचालित है, इसका संचालन केंद्र सरकार करती है। यहां 150 एकड़ क्षेत्रफल में नारियल की खेती की जा रही है, जो इन दिनों चर्चा का केंद्र बनी हुयी है, जिसका कारण यह है कि छत्तीसगढ़ में 50 रुपए तक में मिलने वाला नारियल कोंडागांव में मात्र 10 रुपए में मिल रहा है। इसे खरीदने के लिए वहां के स्थानीय लोगों की भीड़ लग गई है। लोग 10 में खरीदकर इसे 20-25 में बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं। इस बोर्ड द्वारा उगाए गए नारियल आम बाजार में मिलने वाले नारियल से अधिक ताजे और बेहतर गुणवत्ता वाले हैं साथ ही कीमत में भी बेहद सस्ते हैं। बाजार में एक नारियल 30 से 35 रुपए का मिलता है, हालांकि छत्तीसगढ़ के अन्य शहरों की बात करें तो नारियल पानी की कीमत 50 रूपये तक है। सीता बाई, जो पास के ही एक गांव से आती हैं, बताती हैं, 卐हम रोज 50-60 नारियल लेते हैं और बाजार में बेचते हैं। राखी के टाइम पर बहुत डिमांड रहती है। एक नारियल पर 10-15 रुपए का मुनाफा हो जाता है।यहां पर किसानों को भी प्रशिक्षित किया जा रहानारियल विकास बोर्ड कोंडागांव में इन दिनों बेहद सस्ते दामों पर नारियल की उपलब्धता होने के कारण नारियल खरीदने के लिए महिलाओं और पुरुषों की लंबी कतारें लग रही हैं । त्योहारी मांग के चलते यहां महिलाओं की बड़ी संख्या पहुंच रही है। कई महिलाएं रोजाना दर्जनों नारियल खरीदकर बाजार में 20-25 रुपए में बेच रही हैं।

मोबाईल चोरी कर यूपीआई के माध्यम से लाखों रूपये गायब करने वाले अंतर्राज्यीय गैंग के चार सदस्य गिरफ्तार

रायपुर, 11 अगस्त (एजेंसी)। देश भर में घूम-घूमकर बाजारों से मोबाईल चोरी करने तथा चोरी के मोबाईल के यूपीआई से मोबाईल धारकों के खातो से लाखों रूपये गायब करने वाले अंतर्राज्यीय गैंग का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने कावंड़ियों का भेष बनाकर आरोपियों को झारखंड तथा पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार गोविंद राम वाधवानी ने थाना तेलीबांधा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह दिनांक 22.06.2025 को सुबह सब्जी लेने तेलीबांधा गली नंबर 01 स्थित बाजार में गया था तथा अपने मोबाईल फोन को हाथ में पकड़ा था, इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति उसके हाथ से मोबाईल फोन को झपटकर भाग गया और उसके मोबाईल फोन के यूपीआई के माध्यम से 02 खातों से कुल 1,85,000 रूपये ट्रांजेक्शन कर लिया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना तेलीबांधा में धारा 303(2), 134 बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया। मामले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में उक्त तरीका वारदात के आधार पर पूर्व में थाना गुढ़ियारी क्षेत्र में घटना को अंजाम देने वाले अज्ञात आरोपियों की पतासाजी कर थाना गुढ़ियारी रायपुर में दर्ज एक प्रकरण में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना गुढ़ियारी पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा पश्चिम बंगाल व झारखण्ड के अंतर्राज्यीय आरोपी विकास महतो पिता लालचंद महतो उम्र 33 साल निवासी महाराजपुर नया टोला थाना कल्याणी जिला साहेबगंज झारखण्ड, यासीन कुरैशी पिता इकबाल कुरैशी उम्र 34 साल निवासी कुलीपाड़ा थाना व जिला साहेबगंज झारखंड,शेख सुलेमान उर्फ राजन पिता शेख बच्चू उम्र 29 साल निवासी जे-127 शेरखान मैदान के पास थाना गार्डनरिच जिला 24 परगना जिला कलकत्ता पश्चिम बंगाल,अंकित शर्मा पिता सुरेंदर शर्मा उम्र 23 साल निवासी एफ62 गार्डनरिच मारिया थाना गार्डन रिच जिला 24 परगना पश्चिम बंगाल,सोनू कुमार मंडल पिता बबलू मंडल उम्र 18 साल निवासी मिर्जा चौकी महादेववरन थाना मिर्जा चौकी जिला साहेबगंज झारखंड तथा पिंटू कुमार मोहले पिता मंगलू मोहले उम्र 18 साल पता मिर्जा चौकी महादेव वरन थाना मिर्जा चौकी जिला साहेबगंज झारखंड को गिरफ्तार कर आरोपियों को गिरफ्तार कर पुछताछ की गई। जिसमे आरोपियों मोबाईल चोरी करने की बात स्वीकार की जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से प्रकरण से संबधित 10 नग मोबाईल फोन, एक लाख रूपये नगदी रकम तथा 10 नग एटीएम कार्ड जप्त किया। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ व तकनीकी विश्लेषण के आधार पर अन्य आरोपियों के संबंध में जानकारी एकत्र किया गया तथा आरोपियों को झारखण्ड़ के साहेबगंज व पश्चिम बंगाल के कोलकाता में लोकेट किया गया। आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में उनि मुकेश सोरी के नेतृत्व में 10 सदस्यीय टीम को झारखण्ड़ व पश्चिम बंगाल रवाना किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा झारखण्ड़ साहेबगंज के ग्राम महराजपुर व पश्चिम बंगाल के कोलकाता पहुंच कर लगातार कैम्प कर आरोपियों की पतासाजी करना प्रारंभ करते हुये उनके संबंध में जानकारी एकत्र कर आरोपियों को चिन्हांकित किया गया तथा श्रावण मास होने से आरोपियों को पकड़ने हेतु टीम के सदस्यों द्वारा कावंडियों का वेषभूषा धारण कर चारों आरोपियों को पकड़ा गया। आरोपियों ने पूछताछ में बताया गया कि आरोपी देवा उर्फदेव कुमार महतो द्वारा आरोपी कन्हैया कुमार मंडल, विष्णु कुमार मंडल एवं अन्य 02 लोगों को रायपुर मोबाईल फोन चोरी करने हेतु भेजा गया था,जो रामनगर गुढियारी में किराये के मकान में रहकर सब्जी बाजार सहित भीड़भाड़ वाले स्थान में जाकर मोबाईल फोन चोरी करते थे, इसके एवज में देवा उर्फदेव कुमार महतो द्वारा उन्हें 25 हजार रूपये प्रतिमाह दिया जाता था एवं कोलकाता निवासी आरोपी ओम प्रकाश ठाकुर रकम को कोलकाता से निकालकर साहेबगंज झारखण्ड स्थानांतरित करता था। आरोपी देवा उर्फदेव कुमार महतो, कन्हैया कुमार मंडल, विष्णु कुमार मंडल एवं ओम प्रकाश ठाकुर थाना गुढ़ियारी में दर्ज अपराध में भी संलिप्त है, इस मामले में भी उनकी गिरफ्तारी की जायेगी। चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना से संबंधित 03 नग मोबाईल फोन एवं 02 नग सिम कार्ड (दूसरे के नाम पर आबंटित) जप्त किया गया है। आरोपियों के मोबाईल फोन में लगभग 40-50 क्यू आर कोड प्राप्त हुये है जिनमें करोड़ों रूपये के ट्रांजैक्शन होने के साथ-साथ आरोपियों का मुव्हमेंट प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ दीगर प्रांत बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, तमिलनाडू, गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड में भी नोटिस किया गया है। प्रकरण में संलिप्त अन्य आरोपियों के गिरफ्तार हेतु टीम के द्वारा लगातार दीगर प्रांतो में छापेमारी कार्यवाही की जा रही है।मामले में पुलिस ने देवा उर्फदेव कुमार महतो पिता रतन लाला महतो उम्र 28 साल निवासी पोस्ट महाराजपुर, थाना तालझाड़ी जिला साहेबगंज झारखण्ड, कन्हैया कुमार मंडल पिता स्व सुधीर मंडल उम्र 22 साल निवासी मीना बाजार पोस्ट महाराजपुर थाना तालझाड़ी जिला साहेबगंज झारखण्ड,विष्णु कुमार मंडल पिता संजय मंडल उम्र 22 साल निवासी मीना बाजार पोस्ट महाराजपुर थाना तालझाड़ी जिला साहेबगंज झारखण्ड तथा ओम प्रकाश ठाकुर पिता लक्ष्मेश्वर ठाकुर उम्र 31 वर्ष निवासी न्यू एशिया मार्केट कोलकाता पश्चिम बंगाल को गिरफ्तार किया है।बता दें कि आरोपियों का गिरोह 03 चरणों में कार्य करता था जिसमें एक समूह द्वारा देश भर में बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों से लोगों का मोबाईल फोन चोरी किया जाता है, दूसरे समूह द्वारा पीड़ितों के चोरी के मोबाईल फोन से रकम पश्चिम बंगाल में अपने साथियों के पास भेजा जाता है।

नव नियुक्त आरक्षक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

दुर्ग, 11 अगस्त (एजेंसी)। 6 अगस्त की शाम थाना पद्मनाभपुर क्षेत्र अंतर्गत न्यू पुलिस लाइन में निवासरत नवआरक्षक सुरेंद्र साहू (उम्र 35 वर्ष) द्वारा अपने ही घर में आत्महत्या कर लेने की दुखद जानकारी प्राप्त हुई। सुरेंद्र साहू अनुकंपा नियुक्ति पर आरक्षक पद पर कार्यरत थे। परिजनों के अनुसार सुरेंद्र ने बुधवार दोपहर अपनी पत्नी को राखी के लिए मायके छोड़ा था और शाम 4 बजे लेने आने की बात कही थी। लेकिन जब पत्नी ने उन्हें फोन किया, तब कोई जवाब नहीं मिला। चिंतित होकर जब वह घर पहुंची तो सुरेंद्र को किचन में नायलॉन की रस्सी से फांसी पर लटका हुआ पाया।घटना की सूचना पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची। शव को नीचे उतारकर पंचनामा कार्रवाई की गई एवं पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर लाखों की ठगी, आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार

रायपुर, 11अगस्त (एजेंसी)। शेयर ट्रेडिंग में मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर लोगों से ठगी करने वाले एक आरोपी को रायपुर पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार किया है। आरोपी को रायपुर लाकर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है।मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित विकास लाहोटी पिता मोतीलाल लाहोटी पता जयश्री विहार पंडरी रायपुर ने शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा कमाने के नाम से उनसे 59 लाख रुपए की धोखाधड़ी होने की रिपोर्ट रेंज साइबर थाना रायपुर में दिनांक 24/6/24 को पंजीबद्ध कराई थी। रिपोर्ट पर धारा 420,34 भादवि के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया था। मामले में आईजी अमरेश मिश्रा द्वारा रेंज साइबर थाना रायपुर की टीम को तकनीकी साक्ष्य एकत्र कर आरोपियों को गिरफ्तार करने के संबंध में निर्देश दिया गया जिसपर कार्यवाही करते हुए विवेचना क्रम में आरोपियों द्वारा उपयोग किए जा रहे वॉट्सएप नंबर, बैंक खातों एवं मोबाइल नंबरों की जानकारी प्राप्त कर विश्लेषण किया गया। जिसमे यह बात सामने आई कि राजस्थान निवासी प्रदीप जैन पिता हस्तीमल जैन उम्र 48 वर्ष पता मानसरोवर कॉलोनी, जयपुर राजस्थान द्वारा पता बदल बदल कर फर्जी कम्पनी बनाकर विभिन्न बैंकों में खाता खुलवाकर अपने अन्य साथियों की सहायता से उक्त बैंक खातों में प्रार्थी से रकम जमा करवाए गए थे। इन बैंक खातों में अलग अलग राज्यों के 57 से अधिक पुलिस

ठगी का मामला-महंगे गिफ्ट का झांसा देकर महिलाओं से ठगी, नाइजीरिया व साउथ अफ्रीका के तीन गिरफ्तार

रायपुर,11 अगसत (एजेंसी)। राजनांदगांव सोशल मीडिया पर भारतीय महिलाओं से दोस्ती कर उन्हें महंगे गिफ्ट का झांसा देकर ठगने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में दो नाइजीरिया के हैं, वहीं एक दक्षिण अफ्रीका मूल का है। तीनों को पुलिस टीम ने दिल्ली से हिरासत में लिया है।

एसपी मोहित गर्ग ने बताया कि आरोपी सोशल मीडिया में फेक आईडी बनाते थे। उसमें खुद को विदेश में रहने वाला काफी धनवान व्यक्ति बताते थे। भारतीय महिलाओं से दोस्ती करते थे। इसी तरह आरोपियों ने चिचोला की एक महिला से दोस्ती की। उसे विदेश से महंगे गिफ्ट भेजने का झांसा दिया। फिर दिल्ली के कस्टम विभाग में विदेशी ज्वैलरी का पकड़े जाना और इसे छुड़ाने के लिए रकम की जरूरत होने की कहानी गढ़ी।इसके लिए आरोपी ने अलग-अलग नंबर से महिला से 1 लाख 23 हजार 700 रुपए यूपीआई से ट्रांसफर करा लिया। इसके बाद महिला को ठगी का एहसास हुआ, जिसके बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की। 25 महिलाओं के संपर्क में थे, कुछ और होंगे गिरफ्तार :एसपी गर्ग ने बताया कि अब तक की जांच में सामने आया है कि आरोपी फिलहाल 25 महिलाओं से इसी तरह का संपर्क बनाए हुए थे। वहीं कुछ से ऐसी ठगी को अंजाम भी दे चुके हैं। आरोपियों से पूछताछ कर उनके पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटाई गई है। मामले में कुछ और भी गिरफ्तारी हो सकती है। बता दें कि कुछ समय पूर्व भी पुलिस ने इसी तरह की ठगी मामले में एक नाइजीरिया के नागरिक को गिरफ्तार किया था।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

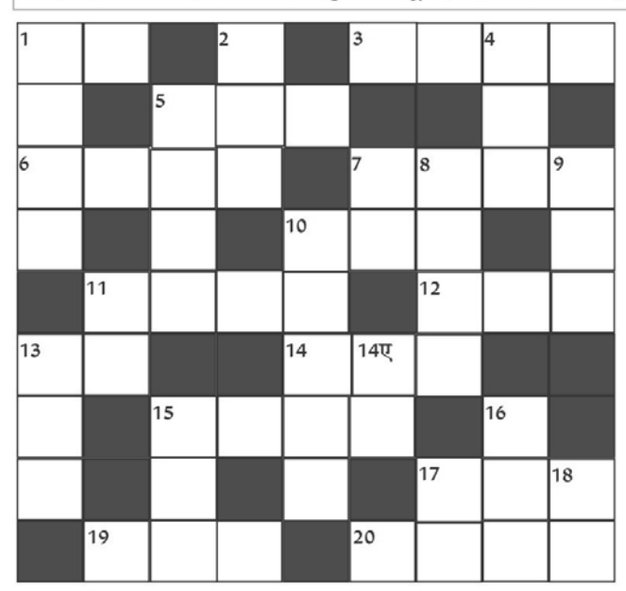

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का		बा	द	ल	

टेस्ट में 69 पारियों के बाद कोहली-शुभमन की तुलना, रन-औसत और शतक समेत जानें किसके आंकड़े बेहतर

नई दिल्ली ,11 अगस्त(एजेंसी) शुभमन गिल की यह सीरीज सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धियों की कहानी नहीं थी, बल्कि यह भारतीय टीम के आत्मविश्वास, नेतृत्व और भविष्य की दिशा को भी दर्शाती है। उनकी कप्तानी में टीम ने ठोस प्रदर्शन किया और उनके बल्ले से निकले हर रन ने भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे शुभमन गिल ने हाल ही में समाप्त हुई टेस्ट सीरीज में ऐसा प्रदर्शन किया है, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। इंग्लैंड के खिलाफ 2025 की टेस्ट सीरीज में बतौर कप्तान उन्होंने बल्ले से जो कमाल किया, उसने उन्हें न सिर्फ भारतीय क्रिकेट का नायक बनाया बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी नई ऊंचाई दी। इस सीरीज में उन्होंने कुल 754 रन बनाए, जो किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा टेस्ट सीरीज में दूसरा सर्वाधिक स्कोर है। गिल ने टेस्ट में अब तक 69 पारियां खेल ली हैं। आइए कोहली से उनकी तुलना करते हैं और जानते हैं कि 69 पारियों के बाद 69 पारियों के बाद कोहली 1ह्य गिल

शुभमन गिल ने अभी तक 37 टेस्ट खेले हैं और इसकी 69 पारियों में 41.4 की औसत से 2647 रन बनाए हैं। इसमें सात अर्धशतक और नौ शतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 269 रन का रहा है, जो उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ हालिया सीरीज में बनाए थे। वहीं, कोहली ने 69 पारियों के बाद 43.8 की औसत से 2846 रन बनाए थे। इनमें 11 अर्धशतक और 11 शतक शामिल थे। कोहली के आंकड़े शुभमन से बेहतर हैं। गिल को कोहली का उत्तराधिकारी माना जा रहा है। गिल टेस्ट में कोहली की बैटिंग पोजिशन पर भी खेल रहे हैं। साथ ही किंग कोहली के तर्ज पर शुभमन को %प्रिंस% नाम दिया गया है। ऐसे में क्या गिल कोहली के टेस्ट आंकड़े को पीछे छोड़ पाएंगे? ये तो वक्त ही बताएगा।

गिल के लिए शानदार रहा इंग्लैंड दौरागिल ने इंग्लैंड दौरे पर तूफानी बल्लेबाजी की। उन्होंने

पांच टेस्ट की 10 पारियों में 75.40 की औसत से 754 रन बनाए। इनमें चार शतक शामिल हैं। गिल ने बतौर विदेशी कप्तान इंग्लैंड में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। इतना ही नहीं, वे इंग्लैंड में पहले विदेशी कप्तान बने जिन्होंने एक ही टेस्ट सीरीज में चार शतक लगाए हों। वह तीसरे भारतीय हैं जिन्होंने एक टेस्ट सीरीज में चार शतक जड़े हैं। बर्मिंघम टेस्ट में गिल ने 269 और 161 रन की पारियां खेलीं थीं यानी उन्होंने उस टेस्ट में कुल 430 रन बनाए थे। यह टेस्ट इतिहास में किसी भी बल्लेबाज का एक ही मैच में दूसरा सबसे बड़ा योगदान है।गिल ने बर्मिंघम में लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ीगिल ने बर्मिंघम टेस्ट में एक और रिकॉर्ड बनाया। वह एक ही मैच में एक दोहरा शतक और एक 150+ का स्कोर बनाने वाले टेस्ट इतिहास के पहले खिलाड़ी हैं। उन्होंने बिना कोई अर्धशतक लगाए 700 से ज्यादा रन बनाए, जो दर्शाता है कि उन्होंने जब भी 30+ रन बनाए, उसे शतक में बदला। उनके 269 रन का स्कोर किसी भी भारतीय कप्तान का टेस्ट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है।इंग्लैंड में गिल ने सुधारा अपना रिकॉर्डटेस्ट में 69 पारियों के बाद कोहली-शुभमन की तुलना, रन-औसत और शतक समेत जानें किसके आंकड़े बेहतर इसके अलावा, शुभमन गिल तीसरे भारतीय कप्तान बने जिन्होंने एक ही टेस्ट में दोनों पारियों में शतक लगाए। साथ ही, उन्होंने स्श्वह्न (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) देशों में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे बड़ा स्कोर बनाया और चौथे नंबर के बल्लेबाज के तौर पर भी सर्वश्रेष्ठ भारतीय पारी खेली। गिल अब उन चुनिंदा चार खिलाड़ियों में शामिल हो चुके हैं जिन्होंने टेस्ट और वनडे, दोनों प्रारूपों में दोहरे शतक लगाए हैं। यह एक ऐसी उपलब्धि है, जो उन्हें सचमुच महान खिलाड़ियों की सूची में शामिल करती है।

महान बल्लेबाज बनेंगे गिल?

शुभमन गिल की यह सीरीज सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धियों की कहानी नहीं थी, बल्कि यह भारतीय टीम के आत्मविश्वास, नेतृत्व और भविष्य की दिशा को भी दर्शाती है। उनकी कप्तानी में टीम ने ठोस प्रदर्शन किया और उनके बल्ले से निकले हर रन ने भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। यह प्रदर्शन न केवल वर्तमान को रोशन करता है, बल्कि आने वाले वर्षों में गिल को भारतीय क्रिकेट का अगला महान खिलाड़ी बनने की ओर अग्रसर करता है।गिल ने बर्मिंघम में लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ीगिल ने बर्मिंघम टेस्ट में एक और रिकॉर्ड बनाया। वह एक ही मैच में एक दोहरा शतक और एक 150+ का स्कोर बनाने वाले टेस्ट इतिहास के पहले खिलाड़ी हैं। उन्होंने बिना कोई अर्धशतक लगाए 700 से ज्यादा रन बनाए, जो दर्शाता है कि उन्होंने जब भी 30+ रन बनाए, उसे शतक में बदला। उनके 269 रन का स्कोर किसी भी भारतीय कप्तान का टेस्ट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है।इंग्लैंड में गिल ने सुधारा अपना रिकॉर्डटेस्ट में 69 पारियों के बाद कोहली-शुभमन की तुलना, रन-औसत और शतक समेत जानें किसके आंकड़े बेहतर रिकॉर्ड बनाया।

कप्तान नैट सिवर-ब्रंट ने रचा इतिहास, द हंड्रेड में 1000 रन पूरे करने वाली पहली बल्लेबाज

नई दिल्ली ,11 अगस्त(एजेंसी) सिवर-ब्रंट ने यह उपलब्धि शुक्रवार (8 अगस्त) को बर्मिंघम के एजबेस्टन में रॉकेट्स के खिलाफ बर्मिंघम फीनिक्स के मैच के दौरान हासिल की। इस दौड़ में डैनी व्याट और लाउरा वोल्वार्ड्ट जैसी दिग्गज बल्लेबाज भी शामिल हैं। दोनों ने क्रमश- 939 और 871 रन बनाए हैं।

इंग्लैंड की कप्तान नैट सिवर-ब्रंट ने द हंड्रेड में 1000 रन पूरे करने वाली पहली बल्लेबाज बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने सिर्फ 30 मैचों में 1031 रन बनाए। ट्रेंट रॉकेट्स के लिए खेलते हुए उनका औसत 49.09 का है। वह शानदार फॉर्म में नजर आ रही हैं।1000 रन पूरे करने की दौड़ में ये बल्लेबाज भी शामिलसिवर-ब्रंट ने यह उपलब्धि शुक्रवार (8 अगस्त) को बर्मिंघम के एजबेस्टन में रॉकेट्स के खिलाफ बर्मिंघम फीनिक्स के मैच के दौरान हासिल की। इस दौड़ में डैनी व्याट और लाउरा वोल्वार्ड्ट जैसी दिग्गज बल्लेबाज भी शामिल हैं। दोनों ने क्रमश- 939 और 871 रन बनाए हैं। पुरुषों की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी फिल सॉल्ट हैं, जिन्होंने 36 मैचों में 995 रन बनाए हैं। उनके बाद जेम्स विंस, बेन डकेट, डेविड मलान और विल जैक्स का नंबर आता है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में शाहीन अफरीदी ने झटके चार विकेट, वसीम अकरम के खास क्लब में शामिल

नई दिल्ली,11 अगस्त (एजेंसी)। शाहीन शाह अफरीदी वेस्टइंडीज में किसी वनडे मैच में चार या उससे अधिक विकेट लेने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले सातवें गेंदबाज बने हैं। उनसे पहले पाकिस्तान के वसीम अकरम ने 1993 में किंग्सटाउन में यह कारनामा किया था, जब उन्होंने 18 रन देकर चार विकेट झटके थे।वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार को खेले गए पहले वनडे मैच में पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने घातक गेंदबाजी की

और टीम को जीत दिलाई। 25 वर्षीय गेंदबाज ने इस मुकाबले में कुल पांच विकेट झटके और पूर्व गेंदबाज वसीम अकरम के खास क्लब में शामिल हो गए। अकरम के खास क्लब में शामिल हुए अफरीदीशाहीन शाह अफरीदी वेस्टइंडीज में किसी वनडे मैच में चार या उससे अधिक विकेट लेने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले सातवें गेंदबाज बने हैं। उनसे पहले पाकिस्तान के वसीम अकरम ने 1993 में किंग्सटाउन में यह कारनामा किया था, जब उन्होंने 18 रन देकर चार विकेट झटके थे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के मिचेल जॉनसन और मिचेल स्टार्क कैरेबियाई धरती पर वनडे मैच में पांच विकेट लेने वाले एकमात्र बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं। पाकिस्तान ने जीता पहला वनडे मैचटी20 सीरीज जीतने के बाद पाकिस्तान ने तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत भी जीत से की है। मोहम्मद रिजवान की अगुआई में पाकिस्तान टीम ने पहले मुकाबले में शाई होप की अगुआई वाली वेस्टइंडीज की टीम को पांच विकेट से हरा दिया है। पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 49 ओवर में 280 रन पर सिमट गई। जवाब में पाकिस्तान ने 48.5 ओवर में पांच विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। हसन नवाज को उनकी 63 रन की नाबाद पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सीरीज का अगला मैच 10 अगस्त को त्रिनिदाद में ही खेला जाएगा।

व्यापार

विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और टैरिफ संबंधी अनिश्चितताओं से गिरा बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी लुढ़के

मुंबई ,11 अगस्त (एजेंसी)। अमेरिका के साथ चल रहे टैरिफ विवाद के बीच घरेलू शेयर बाजार में गिरावट जारी है। शुरुआती कारोबार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को सेंसेक्स 242.24 अंक गिरकर 80,381.02 पर, जबकि निफ्टी 54.85 अंक गिरकर 24,541.30 पर आ गया। ऐसे ही शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे गिरकर 87.60 पर आ गया।विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और टैरिफ संबंधी अनिश्चितताओं के बीच शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 242.24 अंक गिरकर 80,381.02 पर आ गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 54.85 अंक गिरकर 24,541.30 पर आ गया।

किसे फायदा-किसे नुकसान?

सेंसेक्स की कंपनियों में भारती एयरटेल, इंफोसिस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, इटरनल, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक पिछड़ने वाले शेयरों की सूची में दिखाई दिए। इसके उलट टाइटन, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी और बजाज फिनसर्व के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 4,997.19 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने पिछले कारोबार में 10,864.04 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।क्या कहते हैं विशेषज्ञ?जियोजित इंवेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि बाजार तकनीकी और बुनियादी तौर पर कमजोर बना हुआ है। बुनियादी दृष्टिकोण से वित्त वर्ष 26 के लिए आय में अभी तक कोई तेज वृद्धि के संकेत नहीं हैं। ये कमजोर संकेतक भारत में अपेक्षाकृत उच्च मूल्यांकन के साथ स्त्रढ्ढढ्ढ की ओर से निरंतर बिकवाली को बढ़ावा दे रहे हैं। निफ्टी में कल के निचले स्तर से 250 अंकों की तेज रिकवरी, की ओर से 10,864 करोड़ रुपये की मजबूत खरीदारी से प्रेरित शॉर्ट कवरिंग के कारण हुई। भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ विवादों के कारण बाजार में नकारात्मक भावनाओं के वर्तमान संदर्भ में स्त्रढ्ढढ्ढ की ओर से नकद बाजार में बिकवाली जारी रखने की संभावना है। एकमात्र राहत की बात यह है कि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की निरंतर खरीदारी जारी है, जो मजबूत बनी हुई है।एशियाई और अमेरिकी बाजार का हालएशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक सकारात्मक दायरे में रहा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुआ। अमेरिकी बाजार गुरुवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.69 प्रतिशत गिरकर 66.42 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।बीते दिन का हाल

इससे पहले गुरुवार को सेंसेक्स 79.27 अंक या 0.10 प्रतिशत बढ़कर 80,623.26 पर बंद हुआ। निफ्टी 21.95 अंक या 0.09 प्रतिशत बढ़कर 24,596.15 पर बंद हुआ था।

आरबीआई का सर्वे-परिवारों को महंगाई और घटने की उम्मीद, कम ब्याज दर से उपभोक्ता भरोसे में सुधार

मुबई,11अगस्त (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई के बृहस्पतिवार को जारी सर्वेक्षण के मुताबिक, शहरी उपभोक्ताओं के विश्वास में भी बढ़ोतरी आई है। 1 से 12 जुलाई के बीच 19 प्रमुख शहरों में किए गए इस सर्वेक्षण में 5,197 लोगों को शामिल किया गया।

लगातार कम होती लगातार महंगाई में और गिरावट आने की उम्मीद है। भारत के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जुलाई में उपभोक्ता विश्वास में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। यह अर्थव्यवस्था को लेकर बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। इस सकारात्मक बदलाव के पीछे मुख्य रूप से खुदरा महंगाई में गिरावट और अधिक अनुकूल ब्याज दरें हैं, जिनके चलते घर-परिवारों की धारणा बेहतर हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई के बृहस्पतिवार को जारी सर्वेक्षण के मुताबिक, शहरी उपभोक्ताओं के विश्वास में भी बढ़ोतरी आई है। 1 से 12 जुलाई के बीच 19 प्रमुख शहरों

में किए गए इस सर्वेक्षण में 5,197 लोगों को शामिल किया गया। वर्तमान मुद्रास्फीति की औसत धारणा मई, 2025 के 7.7 प्रतिशत से 0.50 फीसदी घटकर जुलाई में 7.2 प्रतिशत रह गई। सर्वेक्षण के मुताबिक, अगले तीन महीनों और एक साल के लिए मुद्रास्फीति की उम्मीदें क्रमशः 0.60 और 0.50 फीसदी घटकर 8.3 प्रतिशत और 9.0 प्रतिशत रह गईं। तीन महीने की अवधि के लिए, 79.5 प्रतिशत परिवारों को कीमतों में वृद्धि की उम्मीद है। यह मई में 80.5 प्रतिशत से कम है। एक साल की अवधि के लिए यह संख्या 88.1 प्रतिशत रही, जबकि मई, 2025 में यह 89.2 प्रतिशत थी।हालांकि, नए सर्वेक्षण में खाद्य कीमतों में वृद्धि की उम्मीद रखने वालों का प्रतिशत मई के 82.8 फीसदी से घटकर 80 फीसदी रह गया। शहरवार भिन्नताएं स्पष्ट थीं। उदाहरण के लिए, भोपाल में एक वर्ष आगे की महंगाई की सबसे अधिक 11.2 प्रतिशत की उम्मीद दर्ज की गई। अहमदाबाद के परिवारों में सबसे कम 5.4 प्रतिशत की उम्मीद थी। दिल्ली के लोगों ने वर्तमान मुद्रास्फीति 8.1 फीसदी आंकी। अनुमान लगाया कि एक वर्ष बाद यह 9.0 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। सेवानिवृत्त लोगों को ज्यादा महंगाई बढ़ने की उम्मीदसेवानिवृत्त व्यक्तियों और वृद्ध लोगों की मुद्रास्फीति संबंधी धारणा और अपेक्षाएं सबसे अधिक रहीं। 60 वर्ष से ऊपर

अर्थशास्त्रियों का दावा-मनमाने टैरिफ से जीडीपी में 0.4 फीसदी की आएगी गिरावट, निर्यातकों को भारी नुकसान

नई दिल्ली ,11अगस्त (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने से चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर में 0.4 फीसदी की गिरावट आ सकती है। इस टैरिफ का असर वस्त्र, कीमती पत्थर, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, ऑटो पार्ट्स और एमएसएमई क्षेत्र पर पड़ सकता है। ट्रंप के इस कदम से न सिर्फ भारत का निर्यात प्रभावित होगा, बल्कि श्रम आधारित क्षेत्रों में बड़ी संख्या में रोजगार संकट उत्पन्न होगा।6.4-6.6त्न वृद्धि दर जोखिम - बैंक ऑफ बड़ौदा की अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सोनल बधान का कहना है, हमने भारतीय वस्तुओं पर 25 फीसदी टैरिफ से जीडीपी में 0.2 फीसदी की गिरावट का अनुमान लगाया था। अब 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया गया है। अगर भारत व्यापार वार्ता में टैरिफ दर कम कराने में नाकाम रहता है, तो इससे चालू वित्त वर्ष में 6.4-6.6 फीसदी की वृद्धि दर हासिल करने पर जोखिम उत्पन्न हो जाएगा।

अब व्यापार संभव नहीं - बैंकिंग एवं बाजार विशेषज्ञ अजय बग्गा ने कहा, 50 फीसदी का भारी टैरिफ भारत के लिए बड़ा झटका है। लेकिन, सच कहूं तो एक बार जब यह 25 फीसदी के पार कर

गया, तो टैरिफ 1,000 फीसदी हो या 5,000 फीसदी, अब व्यापार संभव नहीं है। उन्होंने कहा, क्रिसमस के ऑर्डर तैयार हैं। शिपमेंट तैयार है। ऐसे में निर्यातकों को भारी नुकसान पहुंचेगा। अगर एक अरब डॉलर के कपड़ा निर्यात को रोका जाता है, तो सीधा असर एक लाख श्रमिकों पर पड़ेगा। संतुलित समाधान की जरूरत - वैश्विक पेशेवर सेवा संगठन ईवाई इंडिया में व्यापार नीति प्रमुख अग्निश्वर सेन ने अतिरिक्त टैरिफ को अनावश्यक बताया। उन्होंने कहा, राजनीतिक मतभेदों को बातचीत और स्थापित मंचों के जरिये सुलझाया जा सकता है, न कि ऐसे उपायों से। उम्मीद है कि भारत सरकार अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखेगी और संतुलित समाधान की कोशिश करेगी।अब निर्यात ऑर्डर रोकने लगे हैं खरीदार - भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ फियो ने कहा, भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगाने का अमेरिका का फैसला बेहद चौंकाने वाला है। इस कदम से अमेरिका में 55 फीसदी निर्यात पर असर पड़ेगा। भारतीय निर्यातकों को कम जवाबी टैरिफ वाले देशों की तुलना में 30-35 फीसदी प्रतिस्पर्धात्मक नुकसान होगा। फियो अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा, उच्च टैरिफ के कारण कई खरीदार अब निर्यात ऑर्डर रोक रहे हैं। एमएसएमई के लिए उच्च लागत को वहन करना आसान नहीं है। इससे उद्योगों को पुराने ग्राहक खोने पड़ सकते हैं।अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) के अध्यक्ष राजेश रोकड़े ने कहा, 27 अगस्त से लागू होने वाला अतिरिक्त 25 टैरिफ स्वर्ण आभूषण निर्यात के लिए बड़ा झटका है। टैरिफ में भारी वृद्धि न सिर्फ भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजार में कम प्रतिस्पर्धी बनाती है, बल्कि उन हजारों कुशल कारीगरों की आजीविका को खतरे में डालती है, जो अपने अस्तित्व के लिए निर्यात मांग पर निर्भर हैं। जीजेसी के उपाध्यक्ष अविनाश गुप्ता ने कहा, यह टैरिफ भारतीय रुपये पर भी दबाव डाल रहा है, जिससे घरेलू उपभोक्ताओं के लिए सोना महंगा हो सकता है। इससे न सिर्फ देश में सोने की मांग घट सकती है, बल्कि उद्योग पर और दबाव बढ़ सकता है। कामा ज्वेलरी के प्रबंध निदेशक कॉलिन शाह ने कहा, 50 फीसदी टैरिफ से भारत के रत्न-आभूषण निर्यात में 75 फीसदी तक गिरावट आ सकती है। अगले चार-पांच महीने में 1.25 लाख लोगों की नौकरियां जा सकती हैं। इनमें अधिकतर कर्मचारी सूरत एवं मुंबई के डायमंड कटिंग और आभूषण निर्माण उद्योग से जुड़े हैं।भारत हीरों का शीर्ष वैश्विक निर्यातक और सोने का सबसे बड़ा उपभोक्ता 2023-24 में भारत का रत्न एवं आभूषण निर्यात 22 अरब डॉलर था, जिसके 2027 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। अमेरिका को रत्न एवं आभूषण निर्यात 11 अरब डॉलर होने का अनुमान है

कुसमुंडा खदान में बढ़ी डीजल चोरी की घटनाएं

खदान में सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद हो रही चोरी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। एसईसीएल की मेगा परियोजना कुसमुण्डा खदान एक बार फिर डीजल चोरों के निशाने पर है। खदान से डीजल की चोरी धड़ल्ले से चल रही है। खदान में सुरक्षा की तगड़ी व्यवस्था के बावजूद हो रही चोरियों ने प्रबंध तंत्र की नाकामी को उजागर कर दिया है। डीजल चोरी का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसे कुसमुंडा खदान का बताया जा रहा है।

सूत्र बताते हैं कि मिलीभगत से डीजल चोरी हो रही है, जिसमें आम रोड पर तो नहीं लेकिन खदान क्षेत्र और भीतर बड़ी मशीनों के कार्यस्थल पर डीजल चोर दबंगई के साथ सक्रिय हैं। गिरोह पर एसईसीएल के अधिकारी और सुरक्षा अमला, केंद्रीय सुरक्षा बल, त्रिपुरा राइफल्स भी कार्रवाई में सफल होता नजर नहीं आ रहा है। यही कारण है कि मशीनों और भारी वाहनों से डीजल की चोरी थम नहीं रही। कभी-कभार कार्रवाई होने पर चोरी का पैमाना कम हो जाता है, और फिर इसमें तेजी आती है। सूत्रों की मानें तो खदान के भीतर ही चोरी और चुनिंदा वाहनों में ही खपत करा दिया जाता है। एसईसीएल को डीजल चोर लाखों-करोड़ों की चपत लगा रहे हैं। विश्वसनीय सूत्र बताते हैं कि खदान में पुराने डीजल चोरों द्वारा मोर्चा संभाला जाता है। इनका गिरोह बरमपुर कन्वेयर बेल्ट के अंदर एरिया, खमरिया पुराने पेट्रोल पंप के पीछे, गेवरा रोड रेलवे स्टेशन के पास साहित खोडरी की ओर से सक्रिय रहता है। सूत्र बताते हैं कि रात में बिना नंबर प्लेट की बोलेरो और कैम्पर वाहन से डीजल चोरी की जाती है। इसके अलावा खदान के अंदर डम्पर से चोरी होती है, जो अंदर ही खप जाता है। कुसमुण्डा खदान में डीजल चोरी को लेकर शिकायत सुरक्षा विभाग को की जाती रही है। विगत महीनों में डम्पर क्रमांक के-928 से आर बी आर बेल्ट के पास सामने में कैम्पर अड़ा कर व डम्पर से चाबी निकाल कर पूरा डीजल चोरी कर लिया गया। इसी तरह डम्पर क्रमांक के-941 से सतर्कता चौक के पास रात 3ः40 बजे डीजल की चोरी की गई, जबकि एक अन्य डम्पर क्रमांक एस-886 से भी डीजल की चोरी करने की लिखित शिकायत की गई, किन्तु किसी मामले में कार्रवाई नहीं हुई है। यदि हुई है तो उसे सार्वजनिक नहीं किया गया है। पुलिस तक भी इसकी शिकायत नहीं पहुंचने से डीजल चोरों के हौसले बुलंद हैं।

नेशनल हाईवे के अधिकांश हिस्सों में अंधेरा

मवेशियों का लगा रहता है डेरा, हादसे का खतरा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। बिलासपुर से कोरबा आने वाले नेशनल हाईवे क्रमांक 130 मार्ग पर बीच-बीच में जहां रोशनी है, वहीं अधिकांश सड़क अंधेरे में डूबी हुई नजर आती है। स्ट्रीट लाइट लगी हुई है लेकिन यह रोशन नहीं होती। नेशनल हाईवे पर ग्राम जाली, बेलतरा मार्ग, बेलपारा मार्ग पर जहां अंधेरा छाया रहता है, वहीं टोल नाका पार करने के बाद भी बीच-बीच में उजाला और बाकी सड़क अंधेरे में डूबी हुई रहती है। इन सड़कों पर मवेशियों का भी डेरा लगा रहता है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ने जगह-जगह डिस्प्ले में सूचना भी लगातार जारी रखी है कि मवेशियों से सावधान रहें। बगदेवा-पाली-कटघोरा मार्ग पर उतरते ही सड़क से जहां स्ट्रीट लाइट नदारत है, वहीं अंधेरी और मोड़ भरी सड़कों पर आवागमन काफी रिस्की रहता है। बीच-बीच में रोशनी जरूर रहती है पर नेशनल हाईवे की सड़कों के अंधेरे में डूबे रहने से व्यवस्था पर सवाल उठना जायज है।

गणपति बप्पा की मूर्तियों को आकार देने में जुटे मूर्तिकार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में गणेशोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई है। मूर्तिकार भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं को अनेक स्वरुपों में आकार दे रहे हैं। समितियां भी श्रीगणेश के स्वागत में जुट गए हैं। इस बार पंडाल और श्रीगणेश जी की प्रतिमा श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा।

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से गणेशोत्सव की धूम शुरू हो रही है। इस बार गणेश चतुर्थी 26 अगस्त को मनाई जाएगी। इसके लिए एक माह पहले से मूर्तिकार ने छोटी-छोटी मूर्तियों के साथ ही विघ्नहर्ता के बड़ी प्रतिमाओं को आकार दे रहे हैं। अधिकांश छोटी प्रतिमाएं तैयार की जा चुकी है। बड़ी प्रतिमाओं को आकार देने के बाद अब रंगरोगन का कार्य शेष है। बच्चों से लेकर सार्वजनिक गणेशोत्सव समितियों के सदस्य मूर्तियों की बुकिंग कराने के लिए मूर्तिकारों के पास पहुंच रहे हैं। प्रतिमाओं को लेकर बच्चे, युवा सहित अन्य वर्गों में खासा उत्साह है। समितियों ने विघ्नहर्ता के पंडाल के आसपास साफ-सफाई और भव्य रुप देने का काम प्रारंभ कर दिया है। वहीं घर-घर में भी से श्रीगणेश स्थल को सजाने की तैयारी शुरू कर दी है।

विराजमान होंगे कई स्वरूपों में गजानन-मूर्तिकार ने बताया कि पहले की अपेक्षा इस बार मूर्तियों की मांग अधिक है। अभी से मूर्तियों की बुकिंग शुरू हो गई है। डेढ़ दर्जन से अधिक प्रतिमा समिति के आर्डर पर ही तैयार किए जा रहे हैं। इस बार पंडालों में कैलाश पर्वत पर विराजमान भोलेनाथ, मर्यादा पुरूषोत्तम प्रभु श्रीराम, नटखट नंनलाल भगवान श्रीकृष्ण सहित अनेक स्वरुप में विराजमान होंगे।

हाथियों को भा रहा कटघोरा वन मंडल का समृद्ध जंगल

वनमंडल में 45 का झुंड कर रहा विचरण

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के कटघोरा वन मंडल का समृद्ध जंगल हाथियों को बेहद पसंद आ रहा है। कुछ समय पहले तक कटघोरा वन मंडल के इलाकों में हाथी प्रवास करते थे और पड़ोसी राज्यों से आकर वापस लौट जाते थे, लेकिन अब यही हाथियों के लिए एक तरह का स्थाई निवास बन गया है। लेमरू हाथी रिजर्व और हसदेव अरण्य क्षेत्र में आने वाले घने और बड़े जंगल हाथियों को भा रहे हैं। पड़ोसी राज्यों में जंगल का सिमटता दायरा भी कटघोरा वनमंडल में हाथियों के मौजूदगी की एक प्रमुख कारण है। वर्तमान में कटघोरा वनमंडल के 45 का झुंड एक साथ विचरण करते देखा गया। हाथी ऐतमागर और आसपास के इलाकों में विचरण कर रहे हैं। बीती रात यह दल बाझीबन गांव पहुंचा और करीब दो दर्जन से अधिक किसानों की खड़ी फसलों को रौंद दिया। हाथियों का झुंड देख और उनकी चिंघाड़ सुन कर ग्रामीण भारी दहशत में है। जानकार बताते हैं कि यहां इतनी अधिक तादाद में हाथी पहले कभी नहीं रहे। इन्हें संभालने के साथ ही हाथी मानव द्वंद रोकना भी अब वन विभाग लिए एक बड़ी चुनौती है। कटघोरा वनमंडल के पसान, कोरबी और केंदई रेंज में हाथियों की आवाजाही बनी हुई हैं। दरअसल यहां घने जंगल हैं। जहां हाथियों को अधिक मात्रा में खाना और पानी मिल जाता है. इसके कारण हाथी यहां स्थाई तौर पर निवास कर रहे हैं। इन क्षेत्रों के ग्रामीणों को भी लगातार सतर्क रहने की हिदायत वन मंडल द्वारा दी जा रही हैं। लोगों को जंगल के आसपास जाने से भी मना किया जा रहा है । ऐसी कोई भी परिस्थिति से बचने की हिदायत दी जाती है, जिससे कि हाथी मानव द्वंद की गुंजाइश हो। बांझी में किसानों की फसल नुकसान करने की सूचना के बाद से वन विभाग की टीम लगातार हाथियों की लोकेशन पर नजर रख रही है और मॉनिटरिंग की जा रही है। साथ ही, ग्रामीणों को चेतावनी दी जा रही है कि वे हाथियों के नजदीक न जाएं। हाथियों द्वारा नुकसान पहुंचाई गई फसलों का सर्वे किया जा रहा है, ताकि प्रभावित किसानों को मुआवजा दिलाया जा सके। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और हाथियों के विचरण क्षेत्र में न जाएं। हाथियों से बचने के लिए कई बार ग्रामीण शॉर्टकट अपनाते हैं। वह अपने खेत में करंट लगा देते हैं, जिससे हाथियों की मौत हुई है। कटघोरा वनमंडल में दो से तीन मामले ऐसे आए हैं। जब करंट लगने से हाथी की मौत हुई है। एक हाथी की मौत तब हो गई, जब बिजली विभाग का हाई टेंशन तार काफी नीचे झूल रहा था। इसके संपर्क में आने से हाथी की मौत हुई थी, जबकि फसल और जनहानि के मामले भी सामने आए हैं। वनांचल में निवास करने वाले ग्रामीण वनोपज पर आश्रित रहते हैं। वह वनों की ओर जाते हैं और हाथी से उनका सामना होता है। तब जनहानि भी होती है। हालांकि वन विभाग का कहना है कि जनहानि और किसी भी तरह का नुकसान होने पर वह तत्काल मुआवजा प्रकरण तैयार करते हैं।

पोंडीबहार, सलिहाभांठा में निकली शोभायात्रा

हर्षोल्लास से मनाया गया भोजली का पर्व

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नगर सहित अंचल में भोजली का त्योहार हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। भोजली मित्रता का प्रतीक है। जिस तरह युवा पाश्चात्य संस्कृति का अनुसरण करते हुए फ्रेन्डशिप डे मनाते हैं और एक दूसरे के कलाई में फ्रेंडशिप बैंड बांधकर मित्रता का इजहार करते हैं। उसी तरह प्राचीन काल से छत्तीसगढ़ में भोजली देकर मित्रता को प्रगाढ़ करने की परंपरा है। लोकगीत व भोजली विसर्जन के दौरान महिलाएं सामूहिक रूप से गीत गाती हैं, जिसे भोजली गीत कहते हैं।

रक्षाबंधन के दूसरे दिन सोमवार को भोजली का पर्व शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छत्तीसगढ़ी संस्कृति का निर्वाह करते हुए लोगों ने अपने घरों में रोपे गए भोजली को घर से नदी तक शोभायात्रा निकालकर ग्राम देवता की पूजा-अर्चना की और लोगों ने मितान बदकर सीताराम भोजली कहकर एक-दूसरे का अभिवादन किया। वहीं कोरबा के पोंडीबहार, करतला विकासखण्ड के ग्राम पंचायत सलिहाभांठा में भोजली की पूजा अर्चना पश्चात शोभायात्रा के साथ भोजली का स्थानीय तालाब में विसर्जन किया गया। पोंडीबहार व ग्राम पंचायत सलिहाभांठा दोनों में हनुमान मंदिर स्थित तालाब में भोजली का विसर्जन किया गया। ग्रामीण अंचलों में भोजली का पर्व पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि नागपंचमी के दिन छोटे बच्चे चुरकी, टुकनी में मिट्टी लाकर उसमें गेहूं की बिहई भिगोकर बोते हैं। फिर रक्षाबंधन के दूसरे दिन उसे नदी में विसर्जित करते हैं। देवी गंगा, लहर तुरंगा, अहो देवी के जसगीत धुनो पर भोजली का जगह-जगह पूजा अर्चना कर विसर्जन किया गया। नगर व क्षेत्र के लगभग सभी ग्रामो में शाम 4 बजे घरो से भोजली निकाल दी गई जिसके बाद चौक चौराहो में पूजा अर्चना कर तथा हल्दीपानी डालकर खुशहाली की कामना व अच्छी फसल की मनोकामना के साथ विजर्सन किया गया। इस बार सभी का भोजली अच्छे ढ़ंग से उगे हुये थे। सरसो की भांति सुनहरी भोजली थी। लगभग डेढ़ से दो फीट भोजली देखने लायक थी। ऐसी मान्यता है कि अगर भोजली अच्छी होती है तो क्षेत्र में समृध्दि भी आती है। इसका उदाहरण भी देखने को मिल रहा है क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही है और धान सहित अन्य फसले लहलहा रहे है। किसान हर्षित मुद्रा में है। रक्षा बंधन के दूसरे दिन सोमवार को भोजली पर्व धूमधाम से मनाया गया। टोकरी में उगाए गए भोजली का विसर्जन विधि विधान से किया गया। भोजली उगाकर लोग प्रकृति देवी से अपनी कृपा प्रदान कर अच्छी वर्षा का आशीर्वाद मांगा। वैसे इसकी शुरूवात तो हरेली त्योहार के दिन अर्थात सावन के दूसरे पक्ष के शुरूवात के दिन से होती है। इस दिन लोग भोजली की बुआई करते हैं। भोजली गेहूं का पौधा होता है, कई जगह जौ का भी उपयोग किया जाता है। नये छोटे छोटे टोकरी में मिट्टी और उर्वरा शक्ति के लिए कम्पोस्ट को भरा जाता है और उमसें गेंहू छिडक़र किसी अंधेरे स्थान पर रख दिया जाता है। पूरे पंद्रह दिनो बाद रक्षाबंधन के दूसरे दिन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ इसे निकाला जाता है। इसे भोजली कहते है, जिसका रंग सुनहरा होता है।

बहुला चतुर्थी 12 को, रहेगा सुकर्मा और सर्वार्थसिद्धि योग

कोरबा (छ.ग.गौरव)। हिंदू पंचांग के अनुसार भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को हर साल बहुला चतुर्थी का व्रत किया जाता है। इसे संकष्टी चतुर्थी भी कहा जाता है और यह वर्ष की चार प्रमुख चतुर्थी तिथियों में शामिल है।ज्योतिषाचार्य के अनुसार इस दिन श्रद्धा और विधि-विधान से व्रत-पूजा करने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और हर मनोकामना पूर्ण होती है।इस वर्ष बहुला चतुर्थी का पर्व 12 अगस्त मंगलवार को मनाया जाएगा।

पंचांग के अनुसार, चतुर्थी तिथि 12 अगस्त की सुबह 8 बजकर 41 मिनट से प्रारंभ होकर 13 अगस्त बुधवार की सुबह 06 बजकर 36 मिनट तक रहेगी। चूंकि चतुर्थी तिथि का चंद्रोदय 12 अगस्त को हो रहा है, इसलिए इसी दिन व्रत रखा जाएगा। इस दिन सुकर्मा और सर्वार्थसिद्धि नाम के दो शुभ योग दिनभर विद्यमान रहेंगे, जिससे इस चतुर्थी का महत्व और बढ़ जाता है। ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि व्रत रखने वाली महिलाएं 12 अगस्त की सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि कर व्रत का संकल्प लें और दिनभर व्रत के नियमों का पालन करें। मन ही मन भगवान श्रीगणेश के मंत्रों का विशेषकर ऊं गं गणपतये नमः मंत्र का जाप करें। शाम को चंद्रोदय से पहले, साफ स्थान पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा स्थापित करें। कुमकुम से तिलक करें, फूलों की माला पहनाएं और शुद्ध घी का दीपक जलाएं। पूजा में अबीर, गुलाल, रोली, हल्दी, फूल, दूर्वा, नारियल आदि अर्पित करें। अपनी श्रद्धा अनुसार भोग लगाएं। चंद्रोदय के समय चंद्रमा को जल से अर्घ्य दें और कुमकुम, फूल, चावल अर्पित करें। पूजा पूर्ण होने पर प्रसाद ग्रहण कर व्रत खोलें और फिर भोजन करें। बहुला चतुर्थी पर भगवान श्रीगणेश की पूजा चंद्रोदय से पहले की जाती है, जबकि चंद्रमा की पूजा उसके उदय होने के बाद होती है। इस बार श्रीगणेश पूजन का शुभ मुहूर्त रात 08 बजे से 08ः45 बजे तक रहेगा। चंद्रमा का उदय रात 08ः59 बजे होगा, जिसके बाद जल अर्घ्य और पूजा-अर्चना की जाएगी।

चार गांजा तस्कर चढ़े पुलिस के हत्थे

13 किलो 200 ग्राम गांजा और स्कार्पियो जब्त

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सिविल लाइन थाना और साइबर सेल पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गांजा तस्करी करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 13 किलो 200 ग्राम गांजा और एक स्कार्पियो वाहन जब्त किया है। आगामी 15 अगस्त और गणेश चतुर्थी को देखते हुए जिले में नशीले पदार्थों, नशीली टैबलेट और अन्य आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग स्कार्पियो वाहन से अवैध रूप से गांजा परिवहन कर रहे हैं। सूचना के आधार पर संयुक्त टीम ने घेराबंदी की और जांच के दौरान स्कार्पियो वाहन क्रमांक सीजी 12 बीपी 1653 को रुकवाया। वाहन की तलाशी में अलग-अलग पैकेटों में रखा गांजा बरामद किया गया है। वहीं गांजा तस्करी के मामले गिरफ्तार आरोपियों में किरण महंत (35), निवासी रजगामार, प्रकाश कुमार महंत (32), निवासी पंप हाउस, नेहरू नगर, चौकी सीएसईबी, दिनेश कुमार यादव (40), निवासी रिसदी चौक, कोटवार मोहल्ला और कृष्ण कुमार प्रजापति (42), निवासी रामपुर बस्ती शामिल है। सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

हार्डवेयर दुकान में हुई सेंधमारी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के बांकीमोंगरा थाना अंतर्गत ग्राम देवरी पुल से 100 मीटर की दूरी पर मुख्य मार्ग में संचालित चन्द्र हार्डवेयर में सेंधमारी कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। संचालक ने बताया कि रविवार और सोमवार के दरम्यानी रात अज्ञात चोरों ने दुकान के पिछले हिस्से की दीवार में सेंध मार कर भीतर प्रवेश किया और कलर बनाने वाला ब्लोअर मशीन चोरी कर अपने साथ ले गए। कुछ और सामानों की चोरी हुई है जिसके बारे में तस्दीक किया जा रहा है। दुकान संचालक साखाराम कश्यप इस चोरी से हैरत में हैं।

एजुकेशन विजिट ने डेढ़ साल से बिछड़े बेटे को परिवार से मिलवाया

लापता हुआ बेटा मिला तो फफक पड़ी मां

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में एक ऐसा भावुक पल देखने को मिला, जब डेढ़ साल पहले घर से लापता हुआ बेटा अपनी मां से मिला। दोनों को गले लगते देख वहां मौजूद हर किसी की आंखें नम हो गईं। यह हृदयस्पर्शी मिलन शहर के अपना घर सेवा आश्रम और एक कॉलेज के छात्रों की बदौलत संभव हुआ। जिनकी एक एजुकेशन विजिट ने एक मां को उसके बिछड़े बेटे को मिलाया।

करतला थाना क्षेत्र के कोटमेर गांव के निवासी परदेशी महंत (25) मानसिक अस्वस्थता के कारण करीब डेढ़ साल पहले जनवरी 2024 में अपने घर से लापता हो गए थे। परिजनों ने करीब एक साल तक उनकी बहुत तलाश की, लेकिन कोई सुराग न मिलने पर उन्होंने उनके जीवित होने की उम्मीद छोड़ दी थी। उन्हें लगा कि परदेशी अब इस दुनिया में नहीं है। परदेशी महंत भटकते हुए कोरबा शहर के घंटाघर क्षेत्र तक पहुंच गए थे। 18 जनवरी 2024 को सिविल लाइन थाना क्षेत्र की डायल 112 टीम ने उन्हें असहाय स्थिति में देखकर छत्तीसगढ़ हेल्प वेलफेयर सोसायटी द्वारा शहर में संचालित अपना घर सेवा आश्रम पहुंचाया। संस्था ने परदेशी को अपने संरक्षण में लिया और उनकी देखभाल शुरू की। उनका लगातार इलाज सेंदरी (बिलासपुर) स्थित मेंटल हॉस्पिटल में कराया गया, जिससे उनकी स्थिति में धीरे-धीरे सुधार आने लगा. हालांकि अपनी मानसिक स्थिति के कारण वह अपने घर का सही पता नहीं बता पाते थे। संस्था ने अपने स्तर पर भी उनके परिजनों को खोजने का काफी प्रयास किया, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल पाई। इसी बीच बीते गुरुवार को करतला क्षेत्र के एक महाविद्यालय के छात्रों का दल एजुकेशन विजिट के लिए अपना घर सेवा आश्रम पहुंचा। आश्रम का भ्रमण करते हुए जब एक छात्र की नजर परदेशी पर पड़ी, तो उसने देखते ही उन्हें पहचान लिया। वह छात्र परदेशी के ही गांव का रहने वाला निकला। छात्र ने तुरंत संस्था के कार्यकर्ताओं को परदेशी के संबंध में जानकारी दी। इसके बाद संस्था ने गांव के सरपंच को सूचित किया और मोबाइल पर परदेशी की फोटो भेजकर उनकी पहचान की पुष्टि की गई। खबर मिलते ही गांव में खुशी का माहौल छा गया। जानकारी मिलने के बाद शुक्रवार को परदेशी की मां दुलारी बाई अपने रिश्तेदारों के साथ बेटे को लेने सेवा आश्रम पहुंचीं। जैसे ही मां और बेटे ने एक-दूसरे को देखा, वे भावनाओं में बह गए। मां दुलारी बाई ने बेटे को गले लगा लिया और दोनों लिपटकर फूट-फूटकर रोने लगे। यह डेढ़ साल का बिछड़ाव और फिर अचानक मिलने का दृश्य इतना मार्मिक था कि वहां मौजूद परिवार के अन्य सदस्यों और आश्रम के कर्मचारियों की आंखों में भी आंसू छलक आए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-